दैनिक सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन
.वर्ष 54/ अंक 257/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, बुधवार 23 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

पहलगाम हमले से उबला देश

शाह की चेतावनी: आतंक के आगे नहीं झुकेगा भारत, दोषियों को नहीं बख्शेंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने श्रीनगर में पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद शाह बैसरन घाटी पहुंचे। यहां उन्होंने हमले के पीड़ितों से बातचीत की और अधिकारियों से जानकारी ली। उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब का दो दिन का दौरा छोड़कर बुधवार सुबह भारत लौट आए हैं। वे सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक करेंगे।

हमले में पाकिस्तान का हाथ, दो लोकल और दो पाकिस्तानी शामिल

तीन आतंकियों के स्कैच भी जारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद देश में उबाल है। सुरक्षा एजेंसियां दहशतगर्दों की तलाश में जुटी है। हेलीकॉप्टर,

ड्रोन से आतंकियों की तलाश की जा रही है। इस बीच, आतंकी हमले पर नया अपडेट आया है। जानकारी मिली है कि पहलगाम हमले में दो पाकिस्तानी दहशतगर्द भी शामिल थे। उनके साथ में दो स्थानीय आतंकी भी थे। अब तक चार आतंकियों के बारे में जानकारियां सामने आई हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने हमला करने वाले तीन आतंकियों के स्कैच भी जारी किए हैं।

बायसरन घाटी में मंगलवार को आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग पर्यटक घायल हैं। आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना बनाते हुए गोलीबारी की। आतंकी हमले के बाद बुधवार सुबह से सेना से लेकर एनआईए, पुलिस और अन्य एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं। ड्रोन और हेलिकॉप्टर से चप्पे-चप्पे पर निगरानी की जा रही है। साथ ही आतंकियों की तलाश की जा रही है। जम्मू कश्मीर से दिल्ली तक हाई अलर्ट जारी है।

बायसरन घाटी में हुए हमले में शामिल दो स्थानीय आतंकियों की पहचान कर ली गई है। दो पाकिस्तानी आतंकियों की भी पहचान हुई है। मंगलवार को आतंकियों ने करीब 20 मिनट तक एके-47 से गोलीबारी की थी। स्थानीय आतंकियों के नाम आदिल अहमद ठाकुर और आशिफ शेख बताए जा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, आदिल ठाकुर लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। आदिल गुरी, बिजबेहड़ा का रहने वाला बताया जा रहा है। आशिफ शेख का जैश-ए-मोहम्मद से कनेक्शन बताया जा रहा है। आशिफ मोंघामा, मीर मोहल्ला (त्राल) का रहने वाला बताया जा रहा है। जानकारी यह भी मिली है कि हमले के कुछ आतंकियों ने बॉडी कैमरा लगाया था।

हाई अलर्ट जारी

आतंकी हमले के बाद बुधवार सुबह से सेना से लेकर एनआईए, पुलिस और अन्य एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं। ड्रोन और हेलीकॉप्टर से चप्पे-चप्पे पर निगरानी की जा रही है। साथ ही आतंकियों की तलाश की जा रही है। जम्मू कश्मीर से दिल्ली तक हाई अलर्ट जारी है। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस व सीआरपीएफ ने आतंकियों की तलाश में अभियान शुरू कर पहलगाम व आसपास के इलाकों में पूरी तरह नाकेबंदी कर दी। सभी अहम मार्गों पर वाहनों की तलाशी ली जा रही है।

तस्वीर किसकी है, यह साफ नहीं हो पाया

सुरक्षा एजेंसियों ने पहलगाम हमले के संदिग्ध आतंकियों के स्कैच जारी किए हैं। एजेंसियों के मुताबिक, इस हमले में आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबु तल्हा शामिल थे। हालांकि, कौन सी तस्वीर किसकी है, यह साफ नहीं हो पाया है।

इंटेलिजेंस बोली- लश्कर का सैफुल्लाह मास्टरमाइंड

इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया कि पहलगाम अटैक में दो फॉरेन टेररिस्ट और दो लोकल आतंकी शामिल थे। सूत्रों ने कहा कि पहलगाम हमले का मास्टर माइंड सैफुल्लाह खालिद है। यह पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) से ऑपरेट करता है। इसकी लोकेशन रावलकोट बताई गई है। सैफुल्लाह ने एक महीने पहले हमले की चेतावनी भी दी थी। इसका 2019 का एक वीडियो भी वायरल हुआ था। इस वीडियो में सैफुल्लाह ने कहा था कि कश्मीर का मसला ठंडा नहीं होने देना है।

जब अमित शाह को देखते ही फफक पड़े मृतकों के परिजन

जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में छुट्टियां मनाने गए लोगों की खुशियां मातम में बदल गईं। मंजर इतना दर्दनाक था कि जिसने भी देखा रो पड़ा। हर ओर लाशें बिखरी हुईं थीं। बुधवार को जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह लोगों से मिले, तो मृतकों के परिजन अपने आंसू रोक न सके। सभी शाह को देखकर बिलख पड़े और हाथ जोड़कर न्याय की मांग करने लगे।

शाह ने कहा कि भारत आतंकवाद के आगे नहीं झुकेगा, इस नृशंस आतंकी हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही उन्होंने आतंकवादी घटना में मारे गए लोगों के परिजनों से भी मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी मौजूद रहे। शाह मंगलवार को घटना के बाद शाम को ही कश्मीर पहुंच गए थे और अधिकारियों के साथ बैठक की थी।

जब जवानों को आतंकी समझ रोने लगे पर्यटक

पहलगाम अटैक के बाद जब भारतीय सेना के जवान बैसरन घाटी पहुंचे तो वहां मौजूद पर्यटकों ने उन्हें आतंकवादी समझ लिया। ऐसा इसलिए क्योंकि जिन आतंकवादियों ने फायरिंग की, वो भी वर्दी में थे।जवानों को देख महिलाएं और बच्चे हाथ जोड़कर रोने लगे। इसके बाद जवानों ने कहा कि हम इंडियन आर्मी में हैं। उन्होंने पर्यटकों को सुरक्षा का दिलासा दिया।

पीएम मोदी ने सऊदी अरब दौरा बीच में छोड़ा, तुरंत लौटे दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भयानक आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सऊदी अरब की दो दिन की यात्रा बीच में ही छोड़ दी और तुरंत भारत लौट आए। पहले उनका दिल्ली लौटने का प्लान बुधवार रात का था, लेकिन हमले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने अपनी यात्रा में बदलाव किया। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर बताया, प्रधानमंत्री ने सऊदी अरब की अपनी राजकीय यात्रा खत्म की और भारत के लिए रवाना हो गए हैं। यह हमला मंगलवार दोपहर हुआ, जब 5 से 6 आतंकियों ने पहलगाम में घूम रहे पर्यटकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस हमले में करीब 30 लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए। मारे गए लोगों में ज्यादातर दूसरे राज्यों से छुट्टियां मनाने आए पर्यटक थे। यह हमला 2019 के

पुलवामा हमले के बाद कश्मीर घाटी का सबसे खतरनाक हमला माना जा रहा है। जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी भारत पहुंचे, उन्होंने एयरपोर्ट पर ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश सचिव और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठक की। उन्हें हमले की पूरी जानकारी दी गई। इसके बाद पीएम मोदी एक बड़ी हाई लेवल मीटिंग करने जा रहे हैं, जिसमें कई वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी शामिल होंगे। खबरें हैं कि प्रधानमंत्री मोदी खुद हमले में घायल लोगों का हालचाल भी जान सकते हैं। बताया जा रहा है कि हमले के बाद से ही वह हर पल की जानकारी ले रहे हैं। हमले के बाद सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकियों को पकड़ने के लिए बड़ा अभियान शुरू कर दिया है। एनआईए की एक खास टीम भी जांच के लिए श्रीनगर पहुंच चुकी है।

पीएम मोदी ने दी खुली चेतवानी, नहीं बचेगा एक भी आतंकवादी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों पर हमला कर 27 लोगों की जान ले ली और 20 को घायल कर दिया; हमले की जिम्मेदारी टीआरफ ने ली है। घटना के बाद पीएम मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह से चर्चा की और कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए, जिसके बाद शाह श्रीनगर पहुंचे। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना बनाकर हमला किया, जिसमें 27 पर्यटकों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। जबकि पुलिस की त्वरित जवाबी कार्रवाई में कई आतंकी भी घायल हुए हैं। इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के एक उग्रवादी समूह, द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), ने ली है, जो कश्मीर में आतंक का नया चेहरा बन चुका है। हमले के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बात की। पीएम मोदी ने कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बड़ा आतंकी हमला, पीएम मोदी ने दी खुली चेतवानी, नहीं बचेगा एक भी आतंकवादी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा,मैं इस जघन्य आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। जिन परिवारों ने अपने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि सभी घायल जल्द से जल्द स्वस्थ हों। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को हर प्रकार की आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस घिनौने हमले के दोषियों को कानून के दायरे में लाकर सख्त सजा दी जाएगी—उन्हें किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उनके नापाक इरादे कभी सफल नहीं होंगे। आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई अडिग है और इस घटना के बाद हमारा संकल्प और भी दृढ़ हुआ है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से मन बेहद आहत है। जिन परिवारों ने इस हमले में अपने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। इस नृशंस हमले के पीछे जिम्मेदार लोगों को किसी हाल में छोड़ा नहीं जाएगा—उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें न्याय के कठघरे में लाया जाएगा।

पहलगाम आतंकी हमले पर सीएम मोहन यादव ने कहा- दुश्मनों को छोड़ा नहीं जाएगा

भोपाल: जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कड़ी निंदा की है। एक्स हैंडल पर संवेदना जताते हुए उन्होंने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ कायराना आतंकी हमला घोर निंदनीय है। इस कायराना और अमानवीय कृत्य में कई निर्दोष लोगों की जान गई है। मैं सभी दिवंगतों की पुण्यात्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

केंद्रीय गृह मंत्री मामले पर रख रहे हैं कड़ी नजर

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस मामले पर कड़ी नजर रख रहे हैं। दुश्मनों को बख्शा नहीं जाएगा और आतंकियों को हमले की कीमत चुकानी पड़ेगी। सीएम ने कहा कि हमें इस समय धैर्य रखना होगा, लेकिन दुश्मनों को बख्शा नहीं जाएगा।

आतंकियों को मिलेगा कड़ा जवाब

सीएम मोहन यादव ने कहा कि इस घृणित कृत्य में अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी शोकाकुल परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। बाबा महाकाल से प्रार्थना है कि हमले में सभी घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। आतंकवाद के खिलाफ हमारा देश एकजुट है, आतंकवादियों की जम्मू-कश्मीर को अशांत करने की कोई भी साजिश कभी कामयाब नहीं होगी और इस कुकृत्य का मुंहतोड़ जवाब आतंकियों को अवश्य मिलेगा।

जाओ, मोदी को बता देना, पहलगाम में पति को मारने के बाद बोले आतंकी

पहलगाम में मंगलवार दोपहर करीब 2.45 बजे हुए भीषण आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। मृतकों में कर्नाटक के शिवमोगा जिले के मंजूनाथ और कानपुर के सीमेंट कारोबारी शुभम द्विवेदी शामिल हैं। हमले में बचे लोगों के अनुसार, आतंकियों ने हिंदू पर्यटकों को चुन-चुनकर निशाना बनाया। कर्नाटक के जाओ मोदी को ये बता देना। पल्लवी ने बताया कि आतंकियों ने धमकी देते हुए कहा, तुमने मोदी को सिर पर चढ़ा रखा है, इसकी वजह से हमारा मजहब खतरे में है। हमले के बाद स्थानीय लोगों ने पल्लवी और उनके बेटे की जान बचाई। पल्लवी ने अधिकारियों से अपील की है कि उनके पति मंजूनाथ का शव जल्द से

मंजूनाथ की पत्नी पल्लवी ने खौफनाक मंजर को याद करते हुए बताया, हम अपने बेटे के साथ बैसरन घाटी घूमने गए थे। दोपहर करीब 1.30 बजे आतंकियों ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। मेरे पति मेरी आंखों के सामने मारे गए। पल्लवी ने बताया कि तीन-चार आतंकियों ने हमला किया और उन्होंने हिंदुओं को निशाना बनाया। पल्लवी ने बताया, 'मैंने उनसे कहा- मुझे भी मार दो, तुमने मेरे पति को पहले ही मार दिया है, उनमें से एक ने कहा, मैं तुम्हें नहीं मारूंगा, जल्द शिवमोगा लाया जाए। कानपुर के सीमेंट कारोबारी शुभम द्विवेदी भी इस हमले का शिकार बने। शुभम अपनी पत्नी एशान्या, परिवार और रिश्तेदारों के साथ 17 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर घूमने गए थे। उनकी 11 सदस्यों की टीम घुड़सवारी कर रही थी, तभी आतंकियों ने हमला बोल दिया। आतंकियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछा और शुभम को उनकी पत्नी एशान्या के सामने गोली मार दी।

कश्मीर हमले की वर्ल्ड लीडर्स ने की निंदा

- **रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा-** पहलगाम हमले के अपराधियों को सख्त सजा मिलेगी। हम भारत के साथ हैं।
- **इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मिलोनी** ने कहा- आज भारत में हुए आतंकवादी हमले से बहुत दुख हुआ, जिसमें अनेक लोग हताहत हुए। इटली पीड़ित परिवारों, घायलों, सरकार और सभी भारतीय लोगों के लिए अपनी संवेदना जाहिर करता है।
- **सऊदी क्राउन प्रिंस** ने आतंकवादी हमले की निंदा की
- **सऊदी अरब में भारतीय राजदूत सुहेल एजाज खान** ने कहा कि पीएम मोदी और सऊदी क्राउन प्रिंस ने कश्मीर में हुए आतंकी हमले पर बात की। क्राउन प्रिंस ने इस हमले की निंदा और इम मामले में भारत को हर संभव मदद की पेशकश की।

- **अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लिखा-** कश्मीर से बहुत परेशान करने वाली खबर आई है। आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका भारत के साथ मजबूती से खड़ा है। हम मारे गए लोगों की आत्मा की शांति और घायलों के स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं।

- **अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस** ने लिखा- उषा और मैं भारत के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। पिछले कुछ दिनों में, हम इस देश और इसके लोगों की खूबसूरती से प्रभावित हैं।

कश्मीर में बैठे हैं 56 विदेशी आतंकी सबसे अधिक लश्कर के

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का हाथ होने की आशंका और भी प्रबल हो गई है। सुरक्षा बलों के रिकॉर्ड के अनुसार, फिलहाल जम्मू-कश्मीर में कुल 56 विदेशी आतंकी सक्रिय हैं, जिनमें से 35 लश्कर-ए-तैयबा, 18 जैश-ए-मोहम्मद और 3 हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े हैं। हिजबुल के तीनों आतंकी भी पाकिस्तान के ही नागरिक बताए जा रहे हैं। इसके अलावा 17 स्थानीय आतंकियों की मौजूदगी दर्ज की गई है, जो विदेशी आतंकियों की तुलना में काफी कम है।

घुमक्कड़ समुदायों के समेकित विकास के लिए जन अभियान परिषद करेगी सर्वेक्षण

विमुक्त, घुमंतु एवं अर्ध घुमंतु जातियों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है सरकार: मंत्री कृष्णा गौर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण,विमुक्त, घुमंतु एवं अर्ध घुमंतु राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि विमुक्त, घुमंतू और अर्ध घुमंतु जातियों के विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है । जन अभियान परिषद के माध्यम से इन विमुक्त घुमंतु एवं अर्ध घुमंतु की 51 जातियों के परिवारों के समेकित विकास के लिए सर्वेक्षण कार्य शुरू किया जाएगा। राज्यमंत्री श्रीमती गौर मंगलवार को मंत्रालय में विभागीय अधिकारियों के साथ विभागीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि जन अभियान परिषद पहले चरण में 12 जिलों के 71 ब्लॉक में यह सर्वेक्षण करेगा। सर्वेक्षण के प्रथम चरण की कार्रवाई 30 अप्रैल 2025 से प्रारंभ होकर 30 सितंबर 2025 तक चलेगी । सर्वेक्षण का उद्देश्य इन समुदाय के लोगों की जीवनशैली , पारंपरिक व्यवसाय और सांस्कृतिक परंपराओं की जानकारी का दस्तावेजीकरण करना है। कई बार इस समुदाय के लोगों के द्वारा निरंतर स्थान बदलने के कारण यह किसी भी भौगोलिक सीमा के सर्वेक्षण में नहीं आ पाते हैं। एक स्थान पर निवास ना होने के कारण जातियों के आधार कार्ड, समग्र कार्ड इत्यादि की उपलब्धता भी नहीं होती है। ऐसे में इस सर्वेक्षण से शासन की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लाभ इन घुमंतू जातियों को मिल सके , इन समुदाय के रहने वाले स्थलों की पहचान हो सके और इसके साथ ही स्थान परिवर्तन का समय कारण व अन्य तथ्यों की जानकारी एकत्रित की जाएगी। बैठक में जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त श्री मोहन नागर , पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंखयक कल्याण, विमुक्त, घुमंतु एवं अर्ध घुमंतु विभाग के प्रमुख सचिव श्री ई रमेश कुमार, संचालक विमुक्त, घुमंतु एवं अर्ध घुमंतु श्री नीरज वशिष्ठ, जन अभियान परिषद के कार्यपालक निदेशक डॉ बकुल लाड़, उपस्थित थे।

मातृ भाषा में अध्ययन के साथ परीक्षा भी हिंदी भाषा में देने का चिकित्सा विद्यार्थियों को मिल रहा अवसर

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन है कि उच्च शिक्षा भारतीय भाषा में भी प्रदान की जाये, जिससे देश के हर कोने से आने वाले विद्यार्थियों को बराबरी का अवसर मिल सके। इस दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार ने अन्य उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों के साथ ही चिकित्सा शिक्षा को भी हिंदी भाषा में सुलभ करने का प्रयास किया है। आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ने मेडिकल, डेंटल, पैरामेडिकल आदि सभी संकायों की परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों को हिंदी एवं अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में अनुवाद कर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। इससे विषयवस्तु में निपुण लेकिन अंग्रेजी भाषा में कमजोर विद्यार्थी पिछड़ जाते थे। अब ऐसे विद्यार्थी आत्म-विश्वास के साथ परीक्षा में भाग ले पा रहे हैं। विद्यार्थियों को हिंदी भाषा में उत्तर लिखने के लिये प्रेरित किया जा रहा है। इससे वे अपनी बात सरलता व स्पष्टता से लिख पा रहे हैं। यही नहीं, प्रायोगिक परीक्षाओं में भी छात्रों को हिंदी में उत्तर देने की अनुमति दी गई है। इससे व्यावहारिक ज्ञान का मूल्यांकन भाषाई सुविधा के अनुरूप हो सकेगा। सिर्फ परीक्षा ही नहीं, बल्कि अध्ययन-सामग्री के स्तर पर भी यह परिवर्तन लाया गया है। राज्य के सभी चिकित्सा महाविद्यालयों की लाइब्रेरी में हिंदी भाषा में चिकित्सा की पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं। इससे हिंदी भाषी विद्यार्थियों को विषय के गहन अध्ययन में कोई बाधा नहीं आएगी। मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है, जिसने चिकित्सा शिक्षा को हिंदी भाषा में प्रदान करने का कार्य किया है। यह निर्णय विशेषकर उन विद्यार्थियों के लिए एक वरदान सिद्ध हो रहा है, जो प्रतिभाशाली होते हुए भी अंग्रेजी में दक्ष न होने के कारण पीछे रह जाते थे। अब उन्हें मातृभाषा में न केवल अध्ययन करने, बल्कि आत्म-विश्वास से परीक्षा में भाग लेने का अवसर मिल रहा है।

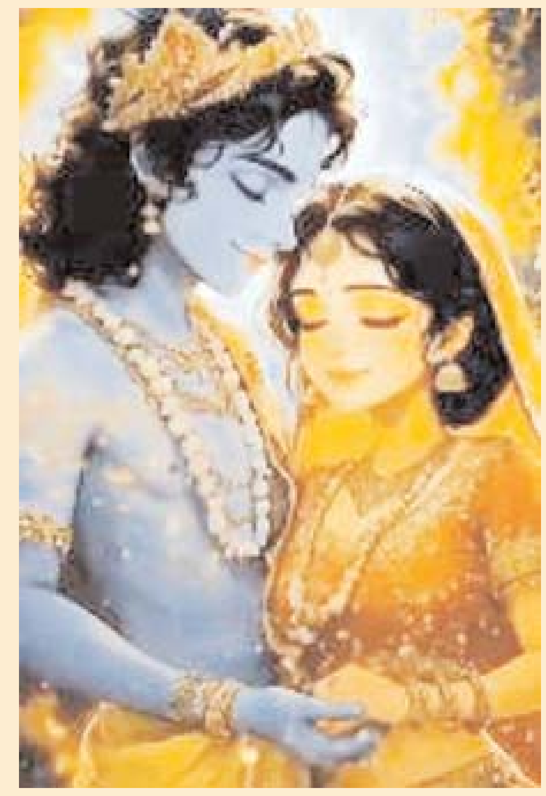

॥ संतुष्टि ही सफलता है॥

यदि जीवन में संतुष्टि का सुख नहीं तो बड़ी से बड़ी सफलता भी प्रसन्नता नहीं दे सकती है। निश्चित ही अपने जीवन में जो संतुष्ट है वह मुक्त भी है। संतुष्टि, व्यक्ति को जीते जी मुक्त करा देती है। संतों का मत है कि इच्छाओं का शेष रहना और श्वासों का खत्म हो जाना ही मोह एवं इच्छाओं का खत्म हो जाना और श्वासों का शेष रहना ही मोक्ष है। आपने अपना जीवन कितनी संतुष्टि में जिया यही आपकी मुक्ति का मापदंड भी है। महापुरुषों का जीवन इसलिए सफल अथवा वंदनीय नहीं माना जाता कि उन्होंने बहुत कुछ पा लिया है अपितु इसलिए सफल और वंदनीय माना जाता है, कि उन्होंने जो और जितना पाया है, बस उसी में संतुलन बनाना और संतुष्ट रहना सीख लिया है। संतुष्टि का अर्थ निष्क्रिय हो जाना नहीं अपितु परिणाम के प्रति अपेक्षा रहित हो जाना है। एक संतुष्ट जीवन ही सुखी जीवन व सफल जीवन भी कहलाता है।

नव युवक सभा ने विश्व पृथ्वी दिवस पर भाषण और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया

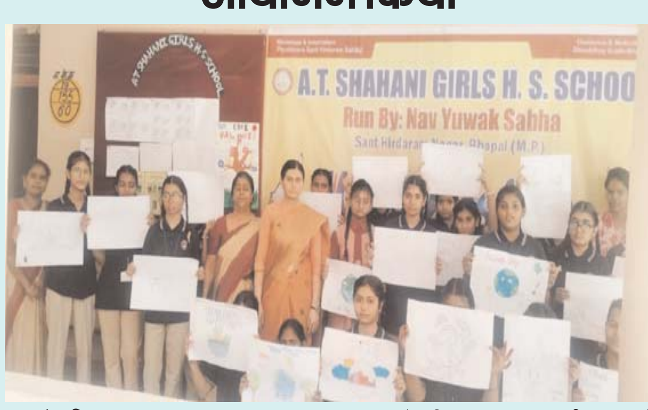

संत हिरदाराम नगर। नव युवक सभा द्वारा संचालित अनन्दराम टी. शाहानी कन्या उ.मा. विद्यालय परिसर में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों की भाषण व पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसका विषय हमारी पृथ्वी हमारी ताकत रखा गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने प्रतिज्ञा ली कि आज से पृथ्वी को सुरक्षित रखेंगे। इस अवसर पर विद्यार्थियो द्वारा पृथ्वी दिवस कब और क्यों मनाया जा रहा है और इसको कैसे सुरक्षित रखा जा सकता हैं इस पर विचार प्रकट किए गए। विद्यालय की प्राचार्या द्वारा बताया गया कि हमें अपनी पृथ्वी और पर्यावरण की रक्षा करनी है क्योंकि आज प्रदूषण ग्लोबल वार्मिंग और वनो की कटाई जैसी समस्या बढ़ती जा रही हैं और इस दिवस के माध्यम से जागरूकता फैलाना एक सशक्त माध्यम है। प्रतियोगिताओं में प्रथम गिरजा नामदेव, हर्षिता मालवीय, राधिका राजपूत और विश्वास चंद्राकर आई।

संत निरंकारी सत्संग भवन में विशाल रक्तदान शिविर आज

संत हिरदाराम नगर। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के आशीर्वाद से संत निरंकारी चेरीटेबल फाउण्डेशन के तहत 24 अप्रैल गुरुवार को प्रात: 10 बजे से 4 बजे तक विशाल रक्तदान शिविर डी मार्ट के पास, जहांगीराबाद, भोपाल स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में शासकीय हमीदिया ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया है। निरंकारी मिशन द्वारा मानव एकता दिवस 24 अप्रैल के अवसर पर समूचे भारत में संत निरंकारी चौरिटेबल फाउंडेशन के तहत रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है। इसी श्रृंखला में भोपाल में भी गुरुवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। गुरूवार को आयोजित होने वाले इस रक्तदान शिविर के लिए जोनल इंचार्ज एवं ब्रांच संयोजक अशोक जुनेजा ने सभी से आग्रह किया है कि इस मानवता के परोपकार वाली सेवा में सहभागी बनकर स्वयं तो रक्तदान करें एवं अन्य नागरिकों को भी रक्तदान करने के लिए प्रेरणा दें। आपके द्वारा दिया गया एक यूनिट रक्त किसी पीड़ित की जान बचा सकता है और जो रक्तदान करता है निश्चित रूप से उनकी पीढ़ियां सुखों की भागी बनती है। उल्लेखनीय है कि संत निरंकारी मंडल, भोपाल द्वारा वर्ष 2023 में 504 यूनिट ब्लड और वर्ष 2024 में 488 यूनिट ब्लड देकर पीड़ित मानवता की सेवा की गई।

समर्थ भारत कॉन्क्लेव का समापन

भोपाल । आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में सार्थक पहल करते हुए समर्थ भारत कॉन्क्लेव 2025 का दूसरा दिन वित्तीय समावेशन और सामाजिक उद्यमिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों को समर्पित रहा। भोपाल में आयोजित इस आयोजन में देशभर के नीति-निर्माता, बैंकिंग विशेषज्ञ, शिक्षाविद् और सामाजिक संगठनों ने भाग लिया। इसके उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि मप्र शासन के कौशल विकास और रोजगार राज्य मंत्र गौतम टेटवाल रहे। इस दौरान मंच पर अन्य अतिथियों में नाबार्ड में सीजीएम सी. सरस्वति, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) एलएचओ में जनरल मैनेजर मनोज कुमार, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- जोनल ऑफिस में जनरल मैनेजर तरसेम सिंह जीरा, एसबीआई में डीजीएम विमल कुमार खाब्या, एसबीआई एलएचओ डीजीएम जीतेन्द्र कुमार, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में डीजीएम हिमांशु व्यास, आईसेक्ट समूह के चेयरमैन संतोष चौबे, आईसेक्ट - एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, आईसेक्ट डायरेक्टर अनुराग गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बरकतउल्ला विश्व विद्यालय के कर्मचारियों ने मांगों को लेकर दिया धरना

भोपाल। कर्मचारी संघ के बैनर तले बरकतउल्ला विश्व विद्यालय के कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर धरना दिया। कर्मचारियों का कहना है कि बरकतउल्ला विश्विद्यालय में 3 वर्षों से कर्मचारी परेशान हो रहे हैं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल में प्रोफेसर एस के जैन विश्वविद्यालय कुलगुरु द्वारा अनुकंपा नियुक्ति वर्षों से कुलगुरु के द्वारा नहीं किया जा रहा है हमारे विश्वविद्यालय के कर्मचारी नंदकुमार सेन जिनका 4 साल पहले निधन हो गया है उनके बेटे को आंखों से दिखता नहीं है उसने मुख्यमंत्री को पत्र दिया मुख्यमंत्री द्वारा कुलगुरु को लिख कर दिया गया था की अनुकंपा नियुक्तियां क्यों नहीं हो रही है लेकिन कुलगुरु द्वारा उसे पत्र की सुनवाई नहीं की गई इसी तरह विश्वविद्यालय में 18 अनुकंपा नियुक्तियां हैं लगभग 2 से 3 साल हो चुके हैं कुलगुरु से चर्चा करने के उपरांत भी उनके द्वारा नहीं किया जा रहा है। जैसे की समय मान वेतनमान ,105 पद होने के बाद भी रोस्टर जारी न किया जाना ,57 कर्मचारियों का रुका हुआ वेतन का भुगतान नहीं दिया जाना, सेवा निर्मित कर्मचारियों को समय पर भुगतान नहीं करना एवं उनके पेंशन रोकना ,जो कर्मचारी श्रेणी परिवर्तन की समिति द्वारा पास करने के उपरांत भी उनके आदेश जारी नहीं करना ,स्थाई कर्मियों को नियमित नहीं करना ऐसी काफी समस्याएं विश्वविद्यालय में है हम सभी कर्मचारी संघ के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य अपने चरणबद्धआंदोलन नियम अनुसार 10 बजे से 1 बजे तक शांतिपूर्वक अपना आंदोलन जारी किया इसके बाद भी हम लोगों की सुनवाई नहीं होती है तो आने वाले समय में विश्वविद्यालय पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा जब तक कर्मचारियों की समस्या दूर नहीं होती है जब तक आंदोलन चलता रहेगा।

शीतल जल के प्याऊ के साथ एक्वागार्ड मिनरल वाटर प्लांट की सुविधा

भोपाल। सेंट्रल ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल्स के द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए, सेंट्रल ग्रुप की सीएसआर एक्टिविटीज के अंतर्गत मंदाकिनी सोसायटी, 80 फीट रोड, कोलार एवं भोपाल वासियों के लिए एक अनोखी पहल की गई जिसमें पहली बार भोपाल क्षेत्र में भोपाल के शहर वासियों के लिए शीतल जल प्याऊ के साथ-साथ एक्कागार्ड मिनरल वाटर प्लांट की सुविधा हॉस्पिटल्स के मरीजों एवं भोपाल की जनता के लिए शुरू की गई।

भगवान देवनारायण का विवाह उत्सव धूमधाम से बरखेड़ी कला में मनाया

भोपाल। भगवान देवनारायण की रात्रिकालीन सात दिवसीय संगीतमय कथा 17 अप्रैल 2025 गुरुवार से 23 अप्रैल 2025 बुधवार तक कथा प्रतिदिन रात्रि 8:00 बजे से 11:00 बजे तक स्थान = बरखेड़ी कलां, भदभदा रोड, भोपाल में संपन्न हो रही है श्री देवनारायण कथावाचक श्री ईश्वरसिंह जी गुर्जर भगत जी (मालाखेड़ी) शाजापुर कथा में भगवान श्री देवनारायण के विवाह उत्सव का प्रसंग सुनाया और कहां भगवान देवनारायण सभी के दुखों को हर लेते हैं बड़ी संख्या में भक्त जनों ने भगवान देवनारायण के विवाह उत्सव में भाग लेकर उत्सव मनाया। इस अवसर पर पं. सुभाष शर्मा पुजारी खेड़ापति सरकार मंदिर बरखेड़ी कलां नाथू पटेल मारण, खुमान सिंह मारन, विकाश सिंह मारन, मनोज मारन, अमित मारन, समीर मारन, सुनील मारण, आजाद मारण ,संजय मारण,कैलाश मारण ,जितेन्द्र मारन ,सुशील मारण ,भगवान सिंह मारन ,अनस भाई ,विदरेश मीणा, गोलू मीणा एवं बरखेड़ी कलां के निवासी उपर्स्थित रहे।

भोपाल को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने नगर निगम का दावा, सर्वे टीम ने लिया जायजा

भोपाल। राजधानी भोपाल में स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 को लेकर दिल्ली की टीम सर्वे कर रही है। टीम ने तीसरे दिन सर्वे के पैटर्न में बदलाव किए। पहले जहां टीम स्थल का निरीक्षण करके निकल जाती है और बाद में नागरिकों से फीडबैक लिया करती थी। वहीं अब पब्लिक फीडबैक के साथ मौके पर साफ-सफाई का जायजा लिया जा रहा है। इसके अलावा सर्वे टीम ने सर्वे का दायरा भी बढ़ाया है। अब सर्वे की टीम एक जोन के कम से कम दो वार्ड की स्वच्छता परख रही है। जानकारी के अनुसार सोमवार को सर्वे की टीम ने नगर निगम के जोन क्रमांक आठ, नौ, 12 और 17 में निरीक्षण किया। जोन नौ के अंतर्गत आने वाले वार्ड 36 व 38 में टीम ने साफ-सफाई के साथ सुलभ शौचालय, उद्यान, नाला और नालियों की जांच की। इस दौरान पब्लिक फीडबैक लेकर साइट पर अपलोड किए।

दरअसल सर्वे टीम का पूरा फोकस पब्लिक फीडबैक को लेकर है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के लिए जीएफसी (गार्बेज फ्री सिटी) की टीमें यूएलबी (अर्बन लोकल बाडी) की साइट खुलते ही आनलाइन लोकेशनों पर पहुंच रही हैं। इस बार भी नगर निगम भोपाल ने देश का सबसे स्वच्छ शहर होने का दावा किया है। इन्हीं दावों को दिल्ली की टीमें परखने में लगी हुई है। सोमवार को सर्वे टीम ने 25 से अधिक स्थानों पर साफ-सफाई की व्यवस्था को देखा। सर्वे के दौरान टीम जीवी पाइंट की तलाश कर रही थी।

प्राकृतिक चिकित्सा का दस दिवसीय आवासीय शिविर का हुआ भव्य शुभारंभ

अगर आप स्वंय को बीमार महसूस करेंगे तो बीमार रहेंगे: डॉ. गुलाब राय टेवानी

संत हिरदाराम नगर । आरोग्य केन्द्र द्वारा आयोजित रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर के अन्तर्गत दस दिवसीय शिविर का शुभारंभ किया गया। इस शिविर में विभिन्न स्थानों से कई साधक अपक्काहार एवं प्राकृतिक उपचार के साथ-साथ योग, आयुर्वेदिक उपचार, फिजियोथैरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा, पोटली मसाज आदि से भी लाभान्वित होने की उम्मीद से आए हैं। यहां शिविरार्थियों को प्राकृतिक उपचार, योग, उपवास एवं अपक्व आहार, रसाहार, फलाहार के माध्यम से स्वस्थ रहने की कला सिखाई जाएगी। डॉ. गुलाब राय टेवानी ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस शिविर में आप दिनचर्या व उपवास की कला सीखेंगे जिससे आप सुखमय व स्वास्थ्यमय जीवन पा सकें।

साथ ही यहा आपका पंच तत्वों से उपचार किया जाएगा जैसे पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश। स्वस्थ जीवन प्राप्त करने के लिए एक ही उपाय है, अपनी अस्वस्थ दिनचर्या में परिवर्तन कर स्वस्थ दिनचर्या को अपनाना। आप अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करेंगे तो ही आप स्वास्थ्य लाभ पा सकेंगे। साथ ही यह बताया गया कि अपक्व आहार लेंगे तो दवाईया भी कम होगी। अगर बीमारी से पूर्णत: निजात पाना है तो प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाना होगा। अगर आप स्वंय को बीमार महसूस करेंगे तो बीमार रहेंगे इसलिए मन से यह सोचना है कि हम पूर्णत: स्वस्थ हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज इंदौर के दौरे पर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज इंदौर के दौरे पर रहेंगे। यह दौरा प्रशासनिक, विकासात्मक और सार्वजनिक संवाद से भरपूर रहने वाला है। मुख्यमंत्री अपने दिन की शुरुआत सुबह 10:40 बजे एडीजी इंटेलिजेंस के साथ संवाद से करेंगे। इसके बाद 10:50 बजे जनसंपर्क विभाग के आयुक्त के साथ ब्रीफिंग की जाएगी। यह दोनों बैठकें सुरक्षा और जन-संपर्क रणनीतियों को लेकर होंगी। बता दें कि, उसके बाद मुख्यमंत्री बड़े बाग की बगड़ियां में मुख्यमंत्री जल गंगा परियोजना के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण करेंगे। यह परियोजना राज्य की जल संरचना को सशक्त बनाने का अहम हिस्सा है।

मंत्रालय में समीक्षा बैठकें: 11:50 बजे मंत्रालय पहुंचने के बाद, मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की समीक्षा करेंगे। इसके बाद 1:30 बजे मुलाकात कार्यक्रम और 2 बजे कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की समीक्षा बैठक होगी, जहां ग्रामीण रोजगार और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों पर चर्चा होगी। दोपहर 3 बजे, मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की कार्यकारी समिति की 63वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह बैठक इनोवेशन, स्टार्टअप और शोध कार्यों के प्रोत्साहन पर केंद्रित होगी।

शाम को इंदौर के लिए प्रस्थान: शाम 4 से 4:15 बजे के बीच वे अपने अस्थायी निवास में अल्प विश्राम करेंगे। फिर शाम 5 बजे स्टेट हैंगर रवाना होंगे। 5:15 बजे इंदौर एयरपोर्टपहुंचेंगे। 5:45 बजे हेलिकॉप्टर से डॉ. आंबेडकर नगर के लिए प्रस्थान करेंगे। 6:5 बजे कार्यक्रम स्थल आगमन

स्थानीय कार्यक्रम और वापसी: शाम 7 से 7:30 बजे तक मुख्यमंत्री स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे, इसके बाद 7:35 से 8 के बीच वायुवान से भोपाल वापसी। 8:15 बजे अपने निवास पर दिन का समापन करेंगे

एयर एंबुलेंस सुविधा का होगा विस्तार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अस्पताल से घर तक पार्थिव देह ले जाने के लिए जिलों में उपलब्ध होंगे शव वाहन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से नागरिकों की स्वास्थ्य समस्याओं का निराकरण किया जाए। कैंसर जैसे रोगों से ग्रस्त नागरिकों को आवश्यक उपचार सुविधाएं प्राथमिकता से दिलवाई जाएं। प्रदेश में अंगदान को प्रोत्साहित किया जाए। पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए जा रहे हैं जो प्रदेश के नागरिकों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध करवाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा अस्पतालों से घर तक पार्थिक देह ले जाने के लिए शव वाहन उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया गया है। यह व्यवस्था जिलों से प्रारंभ होगी जिसका बाद में विकास खण्ड और तहसील स्तर तक विस्तार होगा। प्रदेश में एयर एम्बुलेंस सेवा को अधिक प्रभावी बनाते हुए गंभीर रोगियों के साथ ही दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल नागरिकों को भी सेवाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार ने अस्पताल से पोस्ट मॉर्टम एवं मत्यु के अन्य मामलों में पार्थिव देह घर तक ले जाने के लिए शव वाहन उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था प्रारंभ में जिला स्तर पर रहेगी। बाद में इस व्यवस्था को विकास खण्ड और तहसील तक विस्तार किया जाएगा।

मुख्यमत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का प्रथम राज्य है जहां मरीजों के लिए एयर एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध है। इस सुविधा का विस्तार इस तरह किया जाएगा कि किसी भी दुर्घटना स्थल पर भी एयर एम्बुलेंस को पहुंचाया जा सके। दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को चिकित्सक और कलेक्टर द्वारा निर्णय लेकर चिकित्सा संस्थानों तक भेजने की व्यवस्था की जाएगी। वर्तमान में एयर एम्बुलेंस सेवा में एक हेलीकाप्टर और एक एरोप्लेन उपलब्ध है।

गरीब से गरीब नागरिक को इस सुविधा का लाभ देने का प्रयास है। भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत राज्य के विभिन्न जोन निर्धारित कर इस सेवा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में पीपीपी मॉडल पर नए मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए जा रहे हैं। गत वर्ष नीमच, मंदसौर और सिवनी में कॉलेज प्रारंभ किए गए। इस तरह के अन्य मेडिकल कॉलेज भी प्रारंभ होंगे। इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया चल रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यूपीएससी की परीक्षा में चयनित युवाओं को दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संघ लोक आयोग के घोषित परिणामों में प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं का चयन गर्व का विषय है। यह परिणाम बताते हैं कि युवाओं ने शासकीय सेवा के माध्यम से राष्ट्र की सेवा करने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चयनित युवाओं को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कल सिविल सेवा दिवस मनाया गया। सिविल सेवकों की जन कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्तमान में अधिकारी वर्ग ने श्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करते हुए सार्थक भूमिका का निर्वहन किया है, जिसके कारण भारत की एक विशेष पहचान बनी है। प्रदेश के युवाओं ने अच्छा अवसर पाया है। यूपीएससी के रिजल्ट में प्रदेश के युवाओं ने शासकीय सेवा के माध्यम से देश की सेवा करने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की है कि सभी चयनित युवा राष्ट्र सेवा के लिए बेहतर से बेहतर कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिविल सेवा परीक्षा-2024 में चयनित होने वाले देशभर के सभी प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों को भी बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

मंदसौर के 2 युवा एआरआई में सिलेक्ट, एक की रैंक एआरआई 28

मंदसौर के 2 युवाओं ने देश की सबसे प्रतिष्ठित और कठिन परीक्षा पीएससी में सिलेक्ट होकर मंदसौर का नाम रोशन किया है। इनमें एक की रैंक तो काफी आगे यानी एआरआई 28 है। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा 2024 के परिणाम आज घोषित हुए।देशभर के 1009 चयनित युवाओं की सूची में मंदसौर जिले के गरोठ के श्री ऋषभ पिता मनोज चौधरी को एआरआई 28 और मंदसौर के जनता कॉलोनी निवासी श्री युगांश पिता नरेंद्र कमल भटनागर को एआरआई 307 रैंक मिली। जिले की दो युवा प्रतिभाओं का चयन जिले वासियों को गौरवान्वित करने वाला है। प्रतिभाशाली युवाओं ने अपनी मेधा शक्ति से इस चयन परीक्षा में चयनित होकर अपने परिवार और जिले का नाम रोशन किया है।

भोपाल जिले के प्रतिभावान अभ्यर्थी क्षितिज आदित्य शर्मा ने पीएससी परीक्षा में हासिल की 58वीं रैंक।

वरिष्ठ चित्रकार डॉ. अर्चना मुखर्जी का कोलकत्ता की प्रतिष्ठित गैलरी गोल्ड में सम्मान

भोपाल। मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को समृद्ध करने वाली वरिष्ठ चित्रकार डॉ. अर्चना मुखर्जी को कोलकत्ता की प्रतिष्ठित गैलरी गोल्ड में आयोजित चित्रकला प्रदर्शनी में सम्मानित किया गया है। यह प्रदर्शनी कलात्मक उत्कृष्टता और सृजनात्मकता का एक अद्वितीय मंच प्रदान करती है, जहाँ देश भर के प्रमुख कलाकार अपनी कृतियों का प्रदर्शन करते हैं। डॉ. अर्चना मुखर्जी की कलाकृतियाँ अपनी गहराई, भावनात्मकता और तकनीकी उत्कृष्टता के लिए जानी जाती हैं। उनकी रचनाएँ न केवल दृश्य सौंदर्य को बढ़ाती हैं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर भी गहराई से विचार करती हैं। इस प्रदर्शनी में उनके द्वारा प्रदर्शित कृतियों ने दर्शकों और समीक्षकों दोनों की प्रशंसा प्राप्त की है। गैलरी गोल्ड द्वारा डॉ. अर्चना मुखर्जी का सम्मान उनकी कलात्मक योगदान और मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण मान्यता है। यह सम्मान न केवल डॉ. मुखर्जी के लिए बल्कि पूरे भोपाल के कलात्मक समुदाय के लिए भी गर्व का विषय है। इस अवसर पर डॉ. अर्चना मुखर्जी ने कहा यह सम्मान मेरे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और मुझे अपनी कलात्मक यात्रा में निरंतर प्रेरित करता है। मैं गैलरी गोल्ड और सभी दर्शकों की आभारी हूँ जिन्होंने मेरी कृतियों की सराहना की।

आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों में इंदौर के सुशील नाथेनियल भी

बेटी के पैर में गोली लगी

इंदौर। कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में 27 पर्यटक मारे गए और 11 घायल हुए। मृतकों में इंदौर के सुशील नाथेनियल भी हैं, जो आलीराजपुर में जीवन बीमा निगम की सेटेलाइट शाखा में पदस्थ थे। वे अपनी पत्नी और बेटी के साथ कश्मीर घूमने गए थे। इस हमले में उनकी मौत हुई, जबकि बेटी के पैर में गोली लगी है, जिसे अस्पताल में भर्ती किया गया। सुशील इंदौर के एमआर-10 के अभिनंदन नगर में रहते थे।

वे चार दिन पहले ही बेटे ऑस्टन (21), बेटी आकांक्षा (30) और पत्नी जेनिफर के साथ कश्मीर गए थे। जेनिफर खातीपुरा के एक सरकारी स्कूल में शिक्षिका हैं। घायल आकांक्षा सूरत में बैंक ऑफ बड़ौदा में कार्यरत हैं। परिवार मूल रूप से जोबट का निवासी है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, बेटा और पत्नी सुरक्षित हैं। घटना के समय आतंकवादियों ने सुशील को घुटनों पर बैठाया और उन्हें कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया। जब उन्होंने अपना धर्म क्रिश्चियन बताया, तो आतंकवादियों ने उन्हें गोलियों से भून दिया। हमलावरों ने सुशील की बेटी पर भी गोली चलाई, जो उसके पैर में लगी

पहलगाम के आतंकवादी हमले में इसी परिवार की दो महिलाएं बच गई। भगदड़ में घायल होने वाली महिला आकांक्षा मृतक सुशील की बेटी है, जबकि दूसरी महिला जेनिफर उनकी पत्नी है, जो गोलियों की आवाज और पर्यटकों के शव देखने के बाद सदमे में चली गईं। अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। इन दोनों के सामने ही आतंकवादियों ने पर्यटकों पर गोलियां चलाकर हत्याकांड किया था। बताया गया कि आतंकवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी के बाद जब महिलाएं भागी थीं, तो आकांक्षा के पैर में गोली लगी। जबकि, दूसरी महिला उनकी मां है, जिनके पास से गोलियां निकली, जिससे वे सदमे में है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर (कानून) अमित सिंह ने इस बात की पुष्टि की है।

विद्यार्थी अपनी जिम्मेदारी पूर्ण समर्पण के साथ निभाएं और आगे बढ़ें: मंत्री पटेल

भोपाल। पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल ने कहा है कि शिक्षा पूर्ण होने और प्लेसमेंट हो जाने के बाद सभी विद्यार्थी एक नए जीवन की ओर आगे बढ़ेंगे। वे अपनी जिम्मेदारी पूर्ण समर्पण के साथ निभाएं और आगे बढ़ें। उन्हें जीवन में सफलता के अनेक अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी कठिनाई के समय में निराश न हों, बल्कि अपने अंदर की कमी को निखारे और आगे बढ़े। जीवन में कुछ हट के करना होगा, जिससे दुनिया आपको याद रखे। आईईएस यूनिवर्सिटी एवं आईईएस कॉलेज ऑफ टेक्नालजी के वर्ष-2025 बैच के प्लेसमेंट में चयनित इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक, मैनेजमेंट, फार्मेसी, बीबीए, बीसीए एवं अन्य कोर्स के छात्रों के लिए प्लेसमेंट-डे का आयोजन आईईएस कैम्पस में मंगलवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्य मंत्री श्री लखन पटेल ने किया। उन्होंने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। आईईएस यूनिवर्सिटी चान्सलर श्री बी.एस. यादव, प्रो. (डॉ.) सुनीता सिंह उपस्थित थे। विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। यूनिवर्सिटी के सीईओ श्री देवांश सिंह ने आभार व्यक्त किया। हर साल की तरह इस बार भी आईईएस यूनिवर्सिटी के वर्ष-2025 बैच के विद्यार्थियों का अच्छा प्लेसमेंट हुआ। जून 2025 में पास-आउट विद्यार्थियों का चयन देश की टॉप कंपनी जैसे विप्रो, कॉग्निजेंट, डेलोइट, पियाजिओ, जायकी, माइन्ड ट्री जैसी कई कंपनी में हुआ है।

भारतीय संस्कृति में है समृद्ध वैज्ञानिक दृष्टिकोण : मंत्री परमार

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल एवं अखिल विश्व गायत्री परि?वार के संयुक्त तत्वावधान में यज्ञ अनुष्ठान के विभिन्न पहलुओं पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित शोध, परीक्षण एवं प्रयोगात्मक अध्ययन कार्यों के विस्तृत प्रतिवेदन का अवलोकन किया। प्रतिवेदन प्रस्तुतीकरण द्वारा शोधार्थी विद्यार्थियों ने मंत्री श्री परमार को अपने शोध एवं अध्ययन कार्यों से भी अवगत कराया। मंत्री परमार ने भारतीय ज्ञान परम्परा के महत्वपूर्ण अंग यज्ञ अनुष्ठान पर, वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित आध्यात्मिक पुरुषार्थ करने वाले समस्त शोधार्थी विद्यार्थियों एवं वैज्ञानिक दल की सराहना करते हुए, उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मंत्री श्री परमार ने कहा कि यज्ञ अनुष्ठान, भारतीय ज्ञान परम्परा का अभिन्न एवं महत्वपूर्ण अंग है। यज्ञ अनुष्ठान के शोध एवं अध्ययन का यह निष्कर्ष, वैश्विक मानस पटल पर भारतीय पुरातन ज्ञान के प्रति मानसिक अवधारणा को प्रभावित करेगा और भारतीय समाज में प्रचलित परम्परा के रूप में निहित ज्ञान में विद्यमान वैज्ञानिक दृष्टिकोण को वैश्विक मंच पर अभिव्यक्त करेगा। श्री परमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित शोध एवं अध्ययन सतत् होना चाहिए। भारतीय समाज में हर विद्या हर क्षेत्र में विद्यमान ज्ञान को युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में पुन: शोध एवं अनुसंधान कर, दस्तावेजीकरण करने की आवश्यकता हैं। इसके लिए समाज में अपने पुरातन ज्ञान के प्रति स्वत्व का भाव जागृत कर, हीन भावना से मुक्त होना होगा। मंत्री श्री परमार ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने समाज में शोध एवं अनुसंधान के आधार पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण समावेशी परंपराएं स्थापित की थीं। अतीत के विभिन्न कालखंडों में भारतीय समाज की परम्पराओं के प्रति हीन दृष्टि बनाने का कुत्सित प्रयास किया गया। ऐसे शोध निष्कर्षों से भारतीय समाज के प्रति वैश्विक मानसिक अवधारणा में परिवर्तन आएगा। मंत्री परमार ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने प्रकृति एवं प्राकृतिक ऊर्जा स्रोतों जल, सूर्य एवं वृक्ष आदि के संरक्षण के लिए कृतज्ञता के भाव से श्रद्धा रूप में परम्परा एवं मान्यता स्थापित की थीं।

मप्र बना नरवाई जलाने में देश का नंबर-1 राज्य, उज्जैन तीसरे और इंदौर पांचवें स्थान पर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा जारी सीआरईएएमएस बुलेटिन के मुताबिक, मध्य प्रदेश देश का ऐसा राज्य बन गया है जहां नरवाई जलाने की घटनाएं सबसे अधिक दर्ज की गई हैं। 21 अप्रैल 2025 तक प्रदेश में 20,422 से ज्यादा बार गेहूं की पराली (नरवाई) जलाई जा चुकी है। यह डेटा सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग के जरिए तैयार किया गया है। विदिशा, जो केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का संसदीय क्षेत्र है, प्रदेश में सबसे ज्यादा नरवाई जलाने वाले जिलों में शीर्ष पर है। 1 से 21 अप्रैल के बीच ही 3181 घटनाएं दर्ज की गई हैं, जो 2024 की तुलना में पाँच गुना अधिक हैं।

पिछले वर्षों में इस जिले की स्थिति कुछ बेहतर थी

2022: 2481 घटनाएं
2023: 941 घटनाएं
2024: 601 घटनाएं

मुख्यमंत्री मोहन यादव का गृह जिला उज्जैन, 21 अप्रैल तक 1606 घटनाओं के साथ तीसरे स्थान पर पहुँच गया है। ये संख्या 2024 की तुलना में तीन गुना अधिक है। वहीं, साफ-सुथरे शहर के तौर पर पहचाना जाने वाला इंदौर, नरवाई जलाने के मामलों में पाँचवे स्थान पर है। 2024 में जहाँ केवल 387 घटनाएं दर्ज हुई थीं, वहीं 2025 में 21 अप्रैल तक यह संख्या 1281 हो गई है।

प्रदूषण स्तर में लगातार बढ़ोतरी

इंदौर के देपालपुर और महू इलाकों में नरवाई जलाने की घटनाएं सबसे ज्यादा पाई गई हैं। रात में देपालपुर और दिन में महू में आगजनी होती है। इन घटनाओं का एयर क्वालिटी इंडेक्स पर सीधा असर पड़ा है। पूरे अप्रैल माह में एक भी दिन एक्यूआई स्तर 100 से नीचे नहीं आया।

प्रशासन की सख्ती और जुर्माना

इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत 13 किसानों पर एफआईआर दर्ज की गई है। इसके साथ ही ज़मीन की मात्रा के हिसाब से आर्थिक दंड निर्धारित किए गए हैं।

2 एकड़ तक: रुपए 2500 प्रति घटना
2 से 5 एकड़: रुपए 5000 प्रति घटना
5 एकड़ से अधिक: रुपए 15,000 प्रति घटना

क्यों जलाई जाती है नरवाई?

पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. डीके वाघेला के अनुसार, किसान गेहूं की कटाई के बाद जल्दी-जल्दी ग्रीष्मकालीन मूंग की बुवाई करना चाहते हैं। इस जल्दी के कारण वे खेत साफ करने के लिए नरवाई में आग लगा देते हैं। इसका असर हवा की गुणवत्ता और आसपास के स्वास्थ्य पर पड़ता है।

संपादकीय

अमरनाथ यात्रा से पहले डर फैलाने की गंभीर साजिश

जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ समय से आतंकवादी संगठनों के हमले और उनकी सक्रियता में जिस कदर बढ़ोतरी देखी जा रही है, उससे यह चिंता स्वाभाविक है कि क्या यह समस्या एक बार फिर जटिल शक्ल अख्तियार कर रही है। इतना साफ है कि आतंक के रास्ते भारत में जो मकसद वे हासिल करना चाहते हैं, उसका पूरा होना संभव नहीं है, लेकिन यह भी देखा जा सकता है कि उनके हमलों की रणनीति में जो बदलाव आया है, वह इस समस्या को और गंभीर बना रहा है। आए दिन वहां से अब आतंकी हमलों, उनसे सुरक्षा बलों की मुठभेड़, कुछ आतंकियों का मारा जाना या फिर किसी जवान की शहादत की घटनाएं अक्सर सामने आने लगी हैं। बीते कुछ वर्षों में पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकी संगठनों ने सुरक्षा बलों के शिविरों पर हमले करने के समांतर लक्षित हमलों की रणनीति अपनाना शुरू कर दिया है। अब इसी क्रम में आतंकियों ने पर्यटकों पर हमले शुरू कर दिए हैं, जिसके पीछे छिपी मंशा स्पष्ट दिखती है कि जम्मू-कश्मीर में पर्यटन या अन्य कारणों से आने वालों के भीतर खौफ पैदा किया जा सके।

कश्मीर में पहलगाम के बैसरन इलाके में मंगलवार को आतंकवादियों ने पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें बीस से ज्यादा लोगों के मारे जाने और कई के घायल होने की खबर आई। दरअसल, जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की भूमिका जगजाहिर रही है। माना जाता रहा है कि इसी वजह से आतंकवादी संगठन पर्यटन स्थलों का रुख करने वाले लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते हैं, ताकि वहां पर्यटकों का आना-जाना निर्बाध रहे।

अगर देश-दुनिया से वहां घूमने जाने वालों के भीतर डर बैठा, तो वहां की अर्थव्यवस्था पर इसका विपरीत असर पड़ सकता है। लेकिन इस बार पर्यटकों को निशाना बना कर आतंकियों ने न केवल बाहरी लोगों को डराने, बल्कि वहां की अर्थव्यवस्था की रीढ़ पर हमला करने की कोशिश की है। इसके अलावा, जुलाई की शुरुआत में अमरनाथ यात्रा भी शुरू होने वाली है और वहां जाने का रास्ता पहलगाम से होकर गुजरता है। ऐसे में आतंकियों के इस हमले को अमरनाथ यात्रा को प्रभावित करने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है।

पर्यटकों पर गोलीबारी हाल के दिनों में सबसे गंभीर घटना मानी जा रही है, जिसके पीछे मंशा न केवल सुरक्षा बलों और सरकार को चुनौती पेश करना, बल्कि बाहरी लोगों को डराना है। इससे उन्हें अपना एक मकसद यह भी पूरा होने की उम्मीद है कि वे स्थानीय और बाहरी लोगों के भीतर खाई पैदा कर सकेंगे। मगर ऐसे आतंकी हमलों के बाद अब वहां की स्थानीय आबादी के बीच आतंकियों के खिलाफ जिस तरह का आक्रोश देखा जाता है, वह भविष्य के लिए एक उम्मीद जगाता है। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर की मुख्यधारा की लोकतांत्रिक राजनीति में सक्रिय लगभग सभी दलों और उनके नेताओं ने इसकी तीखी आलोचना की और इसे कायराना हरकत बताया। मगर हकीकत यह भी है कि जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन का दौर रहा हो या फिर उसके बाद बड़ी जद्दोजहद के बाद शुरू हुई लोकतांत्रिक प्रक्रिया और उसके तहत चुनी हुई सरकार का गठन, आतंकी वारदात पर काबू पाने की कोशिशें नाकाम दिखती हैं। अगर सरकार की ओर से इस मसले पर ठोस और सुचिंतित कार्रवाई नहीं की गई, तो इसके दूरगामी घातक नतीजे सामने आ सकते हैं।

अंग्रेजी सत्ता ने मुक्ति के प्रत्येक संघर्ष को विद्रोह का नाम दिया । इस संघर्ष को भी विद्रोह नाम देकर बल पूर्वक दमन किया गया । इतिहास के पन्नों में इस संघर्ष को 卐खड़िया विद्रोह नाम दिया गया । यह उल्लेख तो है कि सेना ने वनक्षेत्र में घुसकर विद्रोह का दमन किया पर कितने क्रॉंतिकारी बलिदान हुए इसका विवरण नहीं मिलता । इस संघर्ष की नींव अंग्रेजों के उस दमनकारी आदेश से पड़ गई थी जिसमें समूची वन संपदा पर अंग्रेजों ने अधिकार कर लिया था । और इसके दोहन के लिये अपने एजेंट नियुक्त कर दिये थे । इससे वनवासी एक प्रकार से बेघर हो गये थे उनके सामने अपने जीवन यापन की समस्या आ गई थी । अंग्रेजों के ऐजेन्ट वनवासी समूहों से वन संपदा एकत्र कराते और शोषण करते थे । इस सहाय स्थिति का वनक्षेत्रों में विरोध तो हुआ पर सामूहिक स्वर न बन सका । इसे सामूहिक स्वर दिया था क्रांतिकारी तेलंगा खड़िया ने ।

सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी तेलंगा खड़िया का बलिदान

वनवासी युवाओं को संगठित कर सशस्त्र संघर्ष किया था

रमेश शर्मा

भारत पर आक्रमण चाहे सल्तनतकाल काल का रहा हो अथवा अंग्रेजीकाल का । वन्य अंचलों ने कभी दासत्व को स्वीकार नहीं किया और स्वाधीनता केलिए सदैव संघर्ष किया और बलिदान हुये । ऐसे ही संघर्ष के नायक हैं तेलंगा खड़िया जिन्होंने वनवासी युवाओं की टोली बनाकर सशस्त्र क्रान्ति आरंभ की और बलिदान हुये ।

अंग्रेजी सत्ता ने मुक्ति के प्रत्येक संघर्ष को विद्रोह का नाम दिया । इस संघर्ष को भी विद्रोह नाम देकर बल पूर्वक दमन किया गया । इतिहास के पन्नों में इस संघर्ष को खड़िया विद्रोह नाम दिया गया । यह उल्लेख तो है कि सेना ने वनक्षेत्र में घुसकर विद्रोह का दमन किया पर कितने क्रॉंतिकारी बलिदान हुए इसका विवरण नहीं मिलता ।

इस संघर्ष की नींव अंग्रेजों के उस दमनकारी आदेश से पड़ गई थी जिसमें समूची वन संपदा पर अंग्रेजों ने अधिकार कर लिया था । और इसके दोहन के लिये अपने एजेंट नियुक्त कर दिये थे । इससे वनवासी एक प्रकार से बेघर हो गये थे उनके सामने अपने जीवन यापन की समस्या आ गई थी । अंग्रेजों के ऐजेन्ट वनवासी समूहों से वन संपदा एकत्र कराते और शोषण करते थे । इस सहाय स्थिति का वनक्षेत्रों में विरोध तो हुआ पर सामूहिक स्वर न बन सका । इसे सामूहिक स्वर दिया था क्रॉंतिकारी तेलंगा खड़िया ने ।

ऐसे क्रॉंतिकारी तेलंगा खड़िया का जन्म 9 फरवरी 1806 को बिहार प्राँत के गुमला जिला अंतर्गत ग्राम मुरगू में हुआ था । तब यह क्षेत्र छोटा नागपुर रियासत के अंतर्गत आता था । पिता हुईया खड़िया एक साधारण किसान थे । बाद में वे रियासत की ओर से अपने गाँव मुरमू में भंडारी नियुक्त हो गये । उनका काम वन संपदा का संग्रह करना था । माता पेतो खड़िया अपनी सामाजिक परंपराओं के लिये समर्पित गृहणी थीं। कृषि और रियासत के भंडारी होने के कारण पिता और परिवार की प्रतिष्ठा पूरे वनक्षेत्र में थी । तेलंगा बचपन से ही वीर साहसी और थे । शरीर भी वलिष्ट था । उन्हें पारंपरिक शस्त्र तीर कमान, तलवार, लाठी, गदका आदि के संचालन के साथ कुश्ती लड़ने का भी शौक था । इससे उनके साथ युवाओं की एक अच्छी टोली बन गई थी । उन्होंने युवाओं में पारंपरिक खेल और शरीर सौष्ठव अभ्यास के लिये अखाड़ा भी चालू किया । समय के साथ बड़े हुये और रतनी खड़िया से विवाह हो गया । और खेती करने लगे ।

लेकिन जब उन्होंने देखा कि उनकी वन संपत्ति ही नहीं वनवासियों के परिश्रम से उत्पन्न कृषि पर भी अंग्रेजों का अधिकार होता था । तब क्रॉंतिकारी तेलंगा खड़िया ने अंग्रेजों के आदेश को नकार दिया और कहा- जमीन हमारी, जंगल

हमारे, मेहनत हमारी, फसलें हमारी, तो फिर अंग्रेज कौन ? युवाओं की पूरी टोली ने उनका साथ दिया । इस टोली ने लगान एवं मालगुजारी न देने का अभियान चलाया । तेलंगा खड़िया के नेतृत्व में काम करने वाली युवा टोली पेड़ों पर छिपकर बैठती और अंग्रेजों की ओर वसूली के लिये आने वाले अधिकारियों पर हमला करके भगा देते । उनकी टोली में आसपास के गाँव और वनक्षेत्र के अनेक युवा तेलंगा से जुड़ गये और उन्होंने ÷पंचैत संगठन÷ तैयार कर लिया । इस संगठन की शाखाएँ हर गाँव में खड़ी की गईं जिसमें गाँव के प्रत्येक युवा को सशस्त्र करके गुरिल्ला युद्ध के लिये तैयार किया जाता था । यद्यपि तेलंगा और उनकी टोली स्थानीय नागरिकों से कोई लगान या वसूली नहीं करते थे । पर इस टोली की शक्ति और सक्रियता से अंग्रेजों की वसूली रूक गई थी और अंग्रेजों द्वारा नियुक्त वसूली एजेंट इलाका छोड़कर भाग गये थे । निसंदेह यह संघर्ष एक सीमित क्षेत्र में था पर यह एक प्रकार से समानांतर सत्ता जैसी स्थापना थी । सभी ग्रामीण क्षेत्र से समर्थन मिला । अंग्रेजों ने इस टोली के प्रमुख लोगों और तेलंगा को पकड़ने केलिये सैन्य टुकड़ी तैनात की पर सफलता नहीं मिली । क्रॉंतिकारियों ने महिलाओं की भी टोली तैयार की गई थी । महिलाओं की यह टोली सैन्य टुकड़ी के मूवमेंट की खबर देती और रात को टोली के सदस्य तीर कमान से हमला कर देते । क्रॉंतिकारियों की यह रणनीति इतनी सटीक थी कि बंदूक धारी अंग्रेज सिपाही भी क्रॉंतिकारियों का कोई विशेष नुकसान न कर सके । अंततः अंग्रेजों ने इनाम का लालच दिया और विश्वासघाती तलाश किये । अंग्रेजों की यह चाल काम कर गई और जब क्रॉंतिकारी तेलंगा कुम्हारी गांव में बैठक कर रहे तब यकायक घेराबंदी हुई और तेलंगा बंदी बना लिये गये। चौदह साल की सजा हुई ।

चौदह वर्ष जेल में रहकर उनके विचार और दृढ़ हुये । चौदह वर्ष बाद जेल से रिहा हुये । लौटकर अपने पुराने सहयोगियों को तलाशा और पुनः संघर्ष आरंभ कर दिया । इन चौदह वर्षों में अंग्रेज बसूली कर्ताओं और अंग्रेज परस्त जमींदारों ने शोषण की सभी हदें पार कर दीं थीं। इसलिये जब जेल से लौटकर तेलंगा ने दोबारा संघर्ष का रास्ता अपनाया तो इस बार उनके साथ केवल युवा ही नहीं आये जन सामान्य से बच्चे, बूढ़े, महिलाएं सब साथ आये । इस बार भी अंग्रेज सरकार ने विश्वासघातियों को आगे किया । तेलंगा खड़िया का पीछा शुरु किया । वह 23 अप्रैल 1880 का दिन था । तेलंगा अपने विश्वस्त सहयोगियों के साथ दूसरे गाँव जा रहे थे । रास्ते में झाड़ियों में छिपकर अंग्रेज टुकड़ी ने मोर्चाबंदी कर रखी थी । ऐसे ही यह टोली समीप आई गोलियाँ चलने लगीं। तेलंगा खड़िया सहित पूरी टोली का बलिदान हो गया । बाद में सैन्य टुकड़ी गांवो में घुसी । सर्चिंग हुई । जिन पर संदेह हुआ उन्हे मार डाला गया । इस दमन में कितने क्रॉंतिकारियों का बलिदान हुआ इसका विवरण कहीं मिलता । जिस सिपाही बेधन सिंह की गोली से क्रॉंतिकारी तेलंगा खड़िया का बलिदान हुआ उसे पदोन्नति मिली । इतिहास की पुस्तकों में इस संघर्ष सबसे कम है पर लोकगीतों में क्रॉंतिकारी तेलंगा खड़िया आज भी सजीव हैं ।

'नोटबदली से नोटबंदी' पुस्तक के लोकार्पण में हरिवंश ने कहा 'नोटबंदी ने आर्थिक भ्रष्टाचार को रोकने का काम किया !'

राज्यसभा के उप सभापति एवं प्रख्यात पत्रकार हरिवंश ने कहा कि मोदी सरकार ने 2016 में नोटबंदी करके देश को बर्वादी के गर्त में गिरने से बचाया। साथ ही आर्थिक भ्रष्टाचार को रोकने का काम किया। हरिवंश मुंबई के वाणिज्यिक पत्रकार राजेश झा की पुस्तक 'नोटबदली से नोटबंदी ¬भारत के आर्थिक महाशक्ति बनाने की संकल्प यात्रा एवं उपलब्धियां' का लोकार्पण करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

पत्रकार राजेश झा की पुस्तक का लोकार्पण हरिवंश, न्यायमूर्ति शंभूनाथ श्रीवास्तव, लेफ्टिनेंट जनरल एएस रावत, शिक्षाशास्त्री प्रो जेएस राजपूत और नेताजी सुभाषचंद्र बोस के साथी रहे आर माधवन पिल्लई के हाथों प्रधानमंत्री संग्रहालय सह पुस्तकालय के नई दिल्ली स्थित सभागृह में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर आजाद हिंद फ़ौज के लेफ्टिनेंट 102 वर्षीय आर माधवन पिल्लई ने कहा कि राजेश झा ने पत्रकारिता से आगे बढ़कर देश के आर्थिक इतिहासकार की भूमिका निभायी है। पुस्तक की विषय वस्तु को प्रस्तुत करते हुए राजेश झा ने कहा कि नोटबंदी पर उन्हौने श्रृंखलाबद्ध तीन पुस्तकें लिख रहे हैं। 'नोटबदली से नोटबंदी ¬भारत के आर्थिक महाशक्ति बनाने की संकल्प यात्रा एवं उपलब्धियां' उनकी पहली पुस्तक है। सितम्बर में दूसरी पुस्तक 'नोटबंदी और कूटनीतिक विश्व' और जनवरी 2026 में उनकी तीसरी पुस्तक 'नोटबंदी से अखंड भारत की रचना' पाठकों को उपलब्ध होगी। इस अवसर पर न्यायमूर्ति शंभूनाथ श्रीवास्तव ने सामाजिक न्याय की स्थापना में नोटबंदी की भूमिका पर प्रकाश डाला, तो लेफ्टिनेंट जनरल एएस रावत ने 'नोटबदली से नोटबंदी ¬भारत के आर्थिक महाशक्ति बनाने की संकल्प यात्रा एवं उपलब्धियां' पुस्तक में रक्षा, उद्योग, व्यापार वाणिज्य तथा जनजीवन पर नोटबंदी के प्रभावों का तथ्यों और आंकड़ों के साथ उल्लेख करने को महत्वपूर्ण कदम बताया।

शिक्षा शास्त्री और एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक डॉ प्रोफ़ेसर जेएस राजपूत ने देशहित में तीन महत्वपूर्ण पुस्तकों की श्रृंखला लिखने के लिए पत्रकार राजेश झा को बधाई दी। लोकार्पण समारोह के अध्यक्ष डॉ अश्विनी महाजन ने नोटबंदी को आवश्यक कदम बताते हुए कहा कि पिछले पंद्रह वर्षों में यह पहला अवसर है कि प्रधानमंत्री सभागृह में आर्थिक विषय पर गंभीर चर्चा में 300 से अधिक लोग उपस्थित हैं। वे या तो प्रोफ़ेसर हैं या प्रधानमंत्री कार्यालय, नीति आयोग या विभिन्न मंत्रालयों में कार्यरत वित्त विशेषज्ञ हैं।

विश्व पुस्तक दिवस

जीवन को नयी दिशा, उत्साह, प्रेरणा, स्वास्थ्य एवं शान्ति देने के लिए सत्संग स्वरूप सद्-साहित्य ही मदद दे सकता है - योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि 23 अप्रैल को पुस्तक दिवस मनाया जाता है। जीवन संग्राम में शान्ति एवं मानसिक संतुलन बनाये रखना सुखी जीवन के लिए अत्यन्त आवश्यक है। ऋषि, महात्माओं ने सत्संग की महिमा गायी है। आधुनिक व्यस्त जीवन पद्धति में लोगों को सत्संग मिलना कठिन है, जीवन मशीनवत् हो गया है, कोई प्रेरणा नहीं, कोई दिशा नहीं, मन अशान्त, तन रोगी, गृहस्थी जंजाल लगने लगती है, ऐसी अवस्था में हजारों संतप्त और किंकर्तव्यविमूढ़ों को जीवन की नयी दिशा, उत्साह, प्रेरणा, स्वास्थ्य एवं शान्ति देने के लिए सत्संग स्वरूप सद्-साहित्य ही मदद दे सकता है।

योग गुरु अग्रवाल ने कहा कि पुस्तकें हमें महत्वपूर्ण जानकारी देती हैं, और साथ ही हमें और अधिक प्रखर, बुद्धिमान बनाती हैं। पुस्तकों को पढ़ने से हमारे जीवन में तनाव की कोई जगह नही बचती है और हमारी रचनात्मक क्षमता में वृद्धि होती है। इन्ही सब विशेषताओ के कारण पुस्तको का महत्व बहुत अधिक है। इस दुनिया में कुछ भी किताबों को पढ़ने के समान खुशी नही दे सकता है। पुस्तकों को पढ़ने से अविश्वसनीय आनन्द और शांति का अहसास होता है। पुस्तकें विभिन्न प्रकार के जानकारी को संग्रहित करके रखती हैं। हमें बस अपने दैनिक जीवन में पुस्तकों को पढ़कर उनमे संग्रहित लाभकारी जानकारी को समझना और उसे अपने जीवन मे उतारने की आवश्यकता है। कई पुस्तकों में महान व्यक्तियों के व्यक्तिगत इतिहास होते हैं जो हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं। जीवन के विभिन्न चरणों में पुस्तकें हमारी सबसे अच्छी सहायक होती हैं।

किताबें हमारे दिन-प्रतिदिन के अस्तित्व में सबसे अच्छी दोस्त हैं। उन्होंने हमें कभी अकेले नही रहने दिया और हमारे सबसे करीबी साथी के समान बनी रही। जब भी हमें उनकी आवश्यकता होती है, वे हमारे लिए उपलब्ध होती हैं। किताबें हमें अपने सामान्य परिवेश को समझने और अच्छे और बुरे के बीच भेद करने में मदद करती हैं। वे हमारी आदर्श सहयोगी और प्रशिक्षक हैं। किताबों को

समझकर हम कुछ अच्छी बातें अपने जीवन मे उतारकर और बेहतर बनते हैं। वे हमारे उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करती हैं और साथ ही उन्हें हासिल करने में पूरा सहयोग करती हैं। हममें से एक बड़ी संख्या में लोग अपने अतिरिक्त समय में पुस्तक पढ़ते है क्योंकि पढ़ने से मानसिक दबाव को कम करने में मदद मिलती है। यह हमें एक काल्पनिक दुनिया में ले जाती है और पढ़ने के बाद हम बहुत अच्छा महसूस करते हैं। पुस्तकें हमारी अंतर्दृष्टि और कल्पनाशक्ति को उन्नत करने में हमारी सहायता करती है।

विद्यार्थियों के लिए पुस्तकों का महत्व - विद्यार्थी जीवन को संघर्षों से भरा हुआ और ज्ञान प्राप्त करने के लिए समर्पित जीवन माना जाता है। प्रत्येक विद्यार्थी को पुस्तकों को समझने की प्रवृत्ति सिखानी चाहिए। चूंकि छात्र जीवन में किसी व्यक्ति का निर्माण होता हैं। अतः उन्हें अपने माता-पिता, शिक्षकों और बुजुर्गों द्वारा किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। किताबों के साथ मित्रता करना उनके लिए सबसे आदर्श तरीका है। ऐसी कई पुस्तकें हैं जिनमें कुछ अविश्वसनीय चरित्रों का जीवन विवरण हैं। ये पुस्तकें उन व्यक्तियों के अस्तित्व के इतिहास से प्रेरित होने में विद्यार्थियों की सहायता कर सकती हैं। इनका वे सम्मान करते हैं और इनसे प्रेरित होकर अपने जीवन के उद्देश्य को पूरा करने के लिए आवश्यकतानुसार काम करते हैं। पढ़ने से एकाग्रता और ध्यान में सुधार होता है जो आमतौर पर एक छात्र के जीवन में आवश्यक है। कुछ घंटे हर दिन पढ़ने से भाषा की समझ बढ़ती है और शब्दकोश बनाने में मदद मिलती है। किताबें दुनिया के बारे में नई जानकारी, विचार और वास्तविकताओं को प्राप्त करने में छात्रों की मदद करती हैं। विद्यार्थी पुस्तकों को समझने के लिए उत्सुक हो जाते हैं।विद्यार्थियों की पुस्तकों को समझने में मदद करने से एक अधिक सभ्य व्यक्ति बनाने में भी मदद मिलती है। नैतिकता और गुणों से पहचानी गई महान पुस्तकों को पढ़ने से महान विशेषताओं के साथ समझ में सुधार होता है और इस तरह वे बड़े होकर समाज के जिम्मेदार और विचारशील व्यक्ति बन जाते हैं। किताबें सफलता का रहस्य हैं। हमें फिर उनका मोल जानना होगा क्योंकि वे दिमाग में हलचल पैदा कर उसे बुद्धिमान बनाती हैं।

देश में साक्षरता बढ़ी, पर पुस्तक पढ़ने वाले नहीं !

प्रो नीलिमा गुप्ता
(कुलपति, डॉ हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि, सागर)

व्यावसायिक युग में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण लोगों के पास समय की कमी है। इसके कारण इंटरनेट, मोबाइल तथा डिजिटल साधनों का प्रयोग बढ़ता जा रहा है और पुस्तकें धीरे-धीरे उपेक्षित होती गईं। आज डिजिटल पुस्तकालयों का विकास हो रहा है और पुस्तकें, जो किसी भी राष्ट्र की संस्कृति और ज्ञान का प्रतीक होती हैं, वह पुस्तकालयों में अनछुई सी रह गईं। पुस्तकालयों में पुस्तक पढ़ने वाले लोग कम होते जा रहे हैं। ज्ञान से परिपूर्ण यह पुस्तकें पढ़ने वालों का इंतजार ही कर रही हैं। उपलब्ध आंकड़ों के हिसाब से अमेरिका में एक व्यक्ति लगभग 17 पुस्तक प्रतिवर्ष पढ़ता है, एक भारतीय 16 पुस्तक, यूनाइटेड किंगडम में यह आंकड़ा 15 पुस्तक तक है। फ्रांस में एक व्यक्ति औसतन 14 पुस्तक और इटालियन 13 पुस्तक प्रति वर्ष पढ़ते हैं। ये देश क्रमशः 357, 352, 343, 305 तथा 278 घंटे प्रति वर्ष पढ़ने में बिताते हैं। सबसे कम आंकड़े अफगानियों के हैं।

मनुष्य के जीवन में पुस्तकों की भूमिका और महत्त्व हमेशा से रहा है। एक बालक पुस्तक से ही अक्षर पहचानना और गिनती सीखता हैए एक छात्र पुस्तक पढ़कर ही डिग्री पाता है। डॉक्टर, वकील तथा अन्य क्षेत्रों के पेशेवर पुस्तकों के माध्यम से ही अपने ज्ञान और पेशे में वृद्धि करते हैं। यह पुस्तकें ही हैं जो लम्बे सफर में हमारा मनोरंजन करती हैं और हमें चरित्र निर्माण, भारतीय मूल्य और व्यक्तित्व विकास के बारे में जानकारी देती हैं। ज्ञान की प्यास पुस्तकें ही बुझाती हैं। पुस्तकें ज्ञान की खोज के सच्चे साथी हैं। पुस्तकें व्यक्ति के जीवन में रंग भरकर भविष्य को आकार देती हैं। यह ज्ञान की दुनिया के प्रवेश द्वार हैं।

पिछले कुछ वर्षों में लोग धीरे.धीरे पुस्तकों से हटकर डिजिटल दुनिया की तरफ आकर्षित होते गए। वेद- पुराण, विश्वकोश, शब्दकोश, एटलस, रेड डाटा बुक आदि बुक शेल्फ और पुस्तकालयों की शोभा बनकर रह गए।

एक दशक पहले के आंकड़ों के अनुसार प्रति वर्ष 54.6त्न वयस्क पुस्तकें पढ़ा करते थे। पिछले 5 वर्ष के आंकड़ों में यह 52.7त्न है तथा वर्तमान में 48.5त्न वयस्क पुस्तक पढ़ते हैं। जहां एक ओर साक्षरता दर बढ़ी, वहीं दूसरी और पुस्तक पढ़ने की निरंतर घटती हुई संख्या चिंताजनक है। यह आवश्यक है कि पुस्तकों के प्रति एक जागरूकता अभियान चलाया जाए जिससे हम समाज को शिक्षितए सुयोग्य एवं समर्थ बना सकें।

व्यावसायिक युग में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण लोगों के पास समय की कमी है। इसके कारण इंटरनेट, मोबाइल तथा डिजिटल साधनों का प्रयोग बढ़ता जा रहा है और पुस्तकें धीरे-धीरे उपेक्षित होती गईं। आज डिजिटल पुस्तकालयों का विकास हो रहा है और पुस्तकें, जो किसी भी राष्ट्र की संस्कृति और ज्ञान का प्रतीक होती हैं, वह पुस्तकालयों में अनछुई सी रह गई। पुस्तकालयों में पुस्तक पढ़ने वाले लोग कम होते जा रहे हैं। ज्ञान से परिपूर्ण यह पुस्तकें पढ़ने वालों का इंतजार ही कर रही हैं।

उपलब्ध आंकड़ों के हिसाब से अमेरिका में एक व्यक्ति लगभग 17 पुस्तक प्रतिवर्ष पढ़ता है, एक भारतीय 16 पुस्तक, यूनाइटेड किंगडम में यह आंकड़ा 15 पुस्तक तक है। फ्रांस में एक व्यक्ति औसतन 14 पुस्तक और इटालियन 13 पुस्तक प्रति वर्ष पढ़ते हैं। ये देश क्रमशः 357, 352, 343, 305 तथा 278 घंटे प्रति वर्ष पढ़ने में बिताते हैं। सबसे कम आंकड़े अफगानियों के हैं। यहाँ प्रति व्यक्ति आंकड़ा 2.56 पुस्तक प्रति वर्ष का है और ये 58 घंटे प्रति वर्ष पढ़ने में बिताते हैं।

सन् 1995 में यूनेस्को ने विश्व पुस्तक दिवस की घोषणा की थी और तब से निरन्तर 23 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य वाचन और पुस्तकों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना, पुस्तक प्रकाशन और कापी राइट के महत्व को समझना तथा लेखकों और पुस्तकालयों की भूमिका को उजागर करना है। भारत में भी विश्व पुस्तक दिवस 23 अप्रैल को मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है 'अपने तरीके से पढ़ें।' इसका उद्देश्य बच्चों में नैसर्गिक और मनोरंजक तरीके से सीखने के लिए प्रेरित करना है। हर आयु और वर्ग के मनुष्य के जीवन में पुस्तकें अहम भूमिका निभाती हैं। यह हमारे जीवन को समृद्ध बनाने में मदद करती हैं, जिससे हमारा व्यक्तित्व का पूर्ण विकास सम्भव है।

यह हमें ज्ञान, जानकारी और अनुभव प्रदान करती हैं, जो हमारे व्यक्तिगत और पेशेवर विकास में सहायक हैं। जहाँ एक ओर पुस्तकें बच्चों के लिए शिक्षा और ज्ञान का आधार हैं तथा वे उनमें कल्पनाएं सृजनात्मकता तथा नैतिक मूल्यों का विकास करती हैं, वहीं विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम की तैयारी, गहरे ज्ञान, जानकारी तथा शोध और अनुसंधान में सहायक हैं। पेशेवरों के लिए पुस्तकें ज्ञान और जानकारी के साथ.साथ उनके पेशेवर विकास तथा नेटवर्किंग और सम्पर्क के माध्यम से अन्य पेशेवरों से जुडने और नेटवर्किंग में मदद करती हैं। आम जनता के लिए पुस्तकें मनोरंजन का साधन, ज्ञान और जानकारी प्रदान करती हैं तथा व्यक्तिगत विकास में मदद करती हैं।

पुस्तकें समाज में शिक्षा और संस्कारों का प्रसार करने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य करती हैं। यह केवल पढ़ाई का माध्यम ही नहीं है, बल्कि यह सामाजिक विकास और विचारशीलता को भी बढ़ावा देती हैं। पुस्तकालय केवल किताबों का संग्रह नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जो ज्ञान और सोच को निरंतर आगे बढ़ाता है। इससे समाज का समग्र विकास होता है। इस अंतराष्ट्रीय पुस्तक दिवस पर हम संकल्प लें कि ज्ञान से परिपूर्ण इन पुस्तकों को पढ़कर एक सृजनात्मक सोच का विकास करेंगे और अपने जीवन में पूर्णता लाने का प्रयास करेंगे। हम भी पढ़ें और दूसरों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित करें। पुस्तकें पढ़ें, ज्ञान बढ़ाएं, पढ़ने की आदत डालें, ज्ञान के भंडार की पुस्तकों से ज्ञान की शक्ति बढ़ाएं और अपने जीवन को समृद्ध बनाएं।

पुस्तकें हमारा जीवन हैं। इन्हें पढ़े और आत्मविश्वास बढ़ाएं। पुस्तक पढ़ने में अभिरूचि पैदा करने से मनुष्य के जीवन में अनेक रंग स्वतः भर जाते हैं। आवश्यक है कि हम इस अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक दिवस पर पुस्तकों के प्रति जागरूकता फैलाएं और सभी वर्ग के लोगों को पुस्तक पढ़ने के लिए प्रेरित करें जिससे पुस्तकों द्वारा समाज को एक नया दृष्टिकोण और आत्मविश्वास मिल सके। इसी समाज का शिक्षितए योग्यए सक्षम एवं समर्थ नागरिक राष्ट्र ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व में अपनी एक नई पहचान बना सके।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

आमजन के लिए नपा ने तहसील परिसर में की प्याऊ प्रारंभ

सिरोंज। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मंगलवार को नगरपालिका परिषद एवं जनसहयोग से लटेरी मार्ग पर गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए आमजन को शीतल पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए प्याऊ का शुभारंभ

किया गया। इसका लाभ न्यायलय परिसर एवं तहसील कार्यालय में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या मे आने वाले फरियादी आम जन मिलेगा नगर पालिका के द्वार विधायक उमाकांत शर्मा के निर्देश पर नगर के विभिन्न स्थानों में प्याऊ शुरू कराई जा रही है। मंगलवार को व्यवहार न्यायाधीश श्रीमती मोना शुक्ला पाण्डेय एवं सुश्री अंकिता जैन ने परिसर में प्याऊ का फीता काटकर । इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, एसडीएम हर्षल चौधरी,मुख्य नापाधिकारी रामप्रकाश साहू,बीएमओ विकास सिंह बघेल, ,स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना सहित पार्षदगण गण मौजूद थे।

प्रशासन में जल संवर्धन अभियान के तहत राधा कुंड की साफ सफाई

सिरोंज। मंगलवार को जल संवर्धन अभियान के अंतर्गत एसडीएम हर्षल चौधरी की मौजूदगी में तहसील और जनपद कार्यालय के अधिकारी कर्मचारियों ने राधा कुंडों पर पहुंचकर प्राचीन बावड़ी की साफ सफाई करते हुए इसके आसपास जितना भी कचरा और कीचड़ थी उसको निकाल

कर परिसर को भी साफ सुंदर कर दिया इसके बाद यहां का दृश्य बहुत ही साफ स्वच्छ नजर आने लग।एसडीएम ने बताया कि श्रमदान करके हम लोगों ने इसकी साफ सफाई की है आगे भी प्राचीन जल स्तोत्रों की साफ सफाई के लिए हम श्रमदान करेंगे आम जनता को भी जोड़ा है।जिससे कि आने वाले समय में इनका उपयोग जनहित के लिए किया जा सके प्राचीन जल स्त्रोतों का उपयोग पहले पानी पीने के लिए होता था उनको संवारने का काम सरकार कर रही है । इस दौरान जनपद सीईओ वंदना शर्मा , सुनील रघुवंशी आदि मौजूद थे।

ताप्ती पुराण के 5 वें संस्करण का विधायक खंडेलवाल ने किया विमोचन

बैतूल। पूर्व सांसद स्व. विजय कुमार खण्डेलवाल की जयंजी पर विजय सेवा न्यास बैतूल में श्री ताप्ती पुराण के पांचवे संस्करण का विमोचन केन्द्रीय मंत्री डी.डी. उईके, विधायक हेमंत खण्डेलवाल, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, विधायक योगेश पंडाग्रे,

भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवांर सहित अन्य अतिथियों के हस्ते किया गया। श्री ताप्ती पुराण की अनुवादक सेवानिवृत्त प्रधान अध्यापिका स्व. श्रीमति कलावती मान्धाता संशोधन कर्ता सेवानिवृत्त प्रधान अध्यापिका स्व. श्रीमति रामकुंवर खेरे व टंकनकर्ता वर्तमान प्रधान अध्यापिका श्रीमति वर्षा खेरे है। तीन पीढ़ियों की महिलाओं के संयुक्त प्रयास से श्री ताप्ती पुराण जिसमें श्री ताप्ती महात्म्य के 4466 संस्कृत श्लोको का हिन्दी रूपान्तरण हो सका। पांचों संस्करण के प्रकाशक राज्य स्तरीय अधिमान्य पत्रकार गगनदीप खेरे है।

मिशन रोशनी के तहत नेत्र परीक्षण शिविर 26 अप्रैल को

छतरपुर। नगर के प्रसिद्ध एवं प्राचीन हनुमान टोरिया मंदिर पर एक दिवसीय निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का हनुमान टोरिया सेवा समिति के द्वारा आयोजन किया जा रहा है यह आयोजन स्वर्गीय श्रीमति प्रेम दुलारी बाई असाटी की स्मृति में उनके पुत्र राधेलाल असाटी (जटाशंकर ज्वेलर्स) वालों

के सहयोग से आने वाले 26 अप्रैल को एक दिवसीय निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमे सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के द्वारा नेत्र रोग से पीड़ित मरीजों का इलाज किया जाएगा एवं उन्हें चश्मा और दवा भी वितरित की जाएगी तथा परीक्षण के उपरांत मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों को चिन्हित कर ऑपरेशन हेतु चित्रकूट भेजा जाएगा हनुमान टोरिया सेवा समिति ने नेत्र रोग से पीड़ित मरीजों से आग्रह किया है कि इस शिविर का लाभ लें अपना आधार कार्ड साथ लाना न भूले।

जनसुनवाई में 113 आवेदन आए कलेक्टर ने दिव्यांगों को अलग से सुना

छतरपुर। मंगलवार को कलेक्टर पार्थ जैसवाल की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार, एडीएम मिलिंद नागदेवे, डिप्टी कलेक्टर विशा माधवानी, कौशल सिंह, एवं विभागीय जिलाधिकारी उपस्थित रहे और व्हीसी के माध्यम से जिले के अनुभागों के एसडीएम एवं तहसीलदार जुड़े रहे। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त 113 आवेदनों के निराकरण में गंभीरता बरतें और प्राथमिकता से निराकरण करें। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायती आवेदनों का परीक्षण करते हुये संबंधित विभाग को आवेदन निराकरण करने के लिए निर्देशित किया गया। एवं कलेक्टर ने दिव्यांगों की सुनवाई अलग से की।

विजय सेवा न्यास की वर्षगांठ पर 26 बेसहारा बच्चों को लिया गोद, शिक्षा सहित समग्र विकास की जिम्मेदारी उठाएंगे

बैतूल। पूर्व सांसद स्व.विजय कुमार खण्डेलवाल की स्मृति में बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल एवं उनके परिवार द्वारा संचालित किए जा रहे विजय सेवा न्यास की वर्षगांठ एवं बाबूजी की जन्म जयंती के अवसर पर न्यास कार्यालय मोतीवार्ड कोठी बाजार में 22 अप्रैल को आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में विजय सेवा न्यास द्वारा 26 बेसहारा बच्चों को गोद लेकर उनकी पढाई सहित समग्र विकास की जिम्मेदारी ली। कार्यक्रम में बतौर अतिथि के रूप में मौजूद केन्द्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके म.प्र. जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर एवं आमला विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे नें अपने उद्‌बोधन में कहा कि राजनीति को सेवा का सशक्त माध्यम मानने वाले पूर्व सांसद स्व.बाबूजी के विचारों को खण्डेलवाल परिवार आगे बढ़ा रहा है। जनप्रतिनिधियों नें विजय सेवा न्यास के सेवा प्रकल्पों को सामाजिक सरोकार की सराहनीय और अनुकरणीय मिशाल बताया। इस दौरान सेवा गतिविधियों पर केंद्रित

डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई।विधायक हेमंत खण्डेलवाल नें विजय सेवा न्यास के प्रकल्पों सेवा,शिक्षा से रोजगार चिकित्सा सहायता, महिला सशक्तीकरण,बेसहारा को सहारा की विस्तृत जानकारी दी। जन - जन की तरक्की जरूरतमंदो की सेवा और सहयोग के लिए उनका परिवार हमेशा तत्पर रहा है। बाबूजी राजनेता होने के साथ ही सामाजिक सरोकार से जुडें रहे। वे राजनीति को सेवा का सशक्त माध्यम मानते थे। बाबूजी की स्मृति में विजय सेवा न्यास की स्थापना कर न्यास के माध्यम से सेवा शिक्षा से रोजगार ,नारी सशक्तीकरण,बेसहारा को सहारा पॉच प्रकल्पों को संचालन किया जा रहा है। उन्होनें बाताया कि सेवा प्रकल्प के तहत निःशुल्क शांति वाहन एवं स्वर्ग रथ का संचालन किया जा रहा है। शांति वाहन से लगभग साढ़े चार हजार और स्वर्ग रथ से 1200 पार्थिक देह गंतव्य तक पहुचाई जा चुकी है। कार्यक्रम में पूर्व सांसद सुभाष आहूजा ज्योति धुर्वे,पूर्व विधायक शिवप्रसाद राठौर नपा.अध्यक्ष पार्वती बारस्कर,भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवांर,पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष बसंत बाबा माकोड़े,पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला,ज्योतिषाचार्य डॉ.पंडित कांत दीक्षित, राकेश द्विवेदी, रामकुमार वर्मा डॉ.सतीश खण्डेलवाल, सी.ए.प्रदीप खण्डेलवाल मुकेश खण्डेलवाल, हेमलता कुंभारे, निजी स्कूलों के संचालक,पत्रकार गणमान्य नागरिक,पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अक्षय तृतीया के पूर्व ही लगातार दूसरे दिन रोके गए 7 बाल विवाह

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी , एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी जे.एस वर्मा के मार्गदर्शन में दमोह जिले में लगातार दीवार लेखन, रेली, मीटिंग्स, प्रशिक्षण के माध्यम से मैदानी अमलों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, साथ ही इनके द्वारा एवं राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के किशोर साथिया एवं ब्रिग्रेड द्वारा जन सामान्य को जागरूक किया जा रहा है । इसके परिणाम स्वरुप विवाह के सीजन में लगातार गुप्त सूत्रों से सीधे जिला कलेक्टर, चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर 1098,एवं अधिकारियों तक लगातार बाल विवाह की सूचनाएं प्राप्त हों रही है, प्राप्त सूचनाओं के आधार पर महिला बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, एस.जे.पी.यु, दल के सहयोग से मौके पर पहुंचकर बाल विवाह रोके जाने हेतु सक्रियता से कार्यवाही की जा रही है । इसके परिणाम स्वरुप आज दिनांक को भी गोपनीय सूचना के आधार पर गठित टीम के द्वारा 7 बाल विवाह रोके जाने हेतु बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 अनुसार समझाईस देकर कार्यवाही की गई थी । इसी कड़ी में 22 अप्रैल 2025 को महिला बाल

विकास परियोजना शहरी अंतर्गत 1 एवं जबेरा अंतर्गत 6 जिसमे थाना जबेरा सीमा अंतर्गत दो बाल विवाह सिंग्रामपुर चौकी सीमा अंतर्गत तीन बाल विवाह एवं नोहटा थाना सीमा अंतर्गत एक जो कल रोका गया था बाल विवाह रुकवाये गये ।

बाल विवाह रोकथाम वाले दल में जिसका नेतृत्व परियोजना अधिकारी रिंकल घनघोरिया एवं परियोजना अधिकारी सुलेखा ठाकुर सेक्टर पर्यवेक्षक अंकिता जैन, सुंदरलाल अहिरवार पर्यवेक्षक अन्नपूर्णा दुबे एवं पर्यवेक्षक श्रीमती दीपा कोरी एवं संबंधित थाने के पुलिस कर्मी तथा संबंधित ग्राम की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं । ज्ञातव्य है, कलेक्टर जिला दमोह बाल विवाह जैसी कुरूति को रोकने हेतु गंभीर हैं जिसके परिणाम स्वरुप जिले में लगातार सर्वप्रथम तो प्रशासन की धुरी माने जाने वालीं मैदानी अमलों सेक्टर पर्यवेक्षकों, आशा, आगनबाडी कार्यकर्ताओं, ए.एन.एम आदि को प्रशिक्षित किया जा रहा है साथ ही विवाह के सीजन में होने वाले बाल विवाह रोकथाम हेतु टीम सकिर्यता से पुलिस विभाग एवं पंचायत विभाग के समन्वय से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर मुस्तेदी से बाल विवाह को रोक रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री कोचर जिला दमोह के निर्देशन में एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन व बाल संरक्षण अधिकारी अनंतराम कुर्मी, जिला समन्वयक ममता एच.आई.एम.सी द्वारा जिला स्तर से समन्वयन का कार्य किया जा रहा है । कलेक्टर जिला दमोह द्वारा बाल विवाह होने की शिकायत या सूचना दमोह हेल्प लाइन 07812-350300 एवं चाइल्ड हेल्प लाइन न 1098 पर दर्ज कराई जा सकती है । शिकायतकर्ता अथवा सुचना देने वाले की जानकारी पुर्णतः गोपनीय रखी जायेगी ।

जल जीवन मिशन से बदली ग्राम देवठान और बैतूल जिले की तस्वीर

बैतूल । गर्मी के मौसम में जब अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में पानी के लिए हाहाकार मच जाता है। तब मध्यप्रदेश के बैतूल जिले के ग्राम देवठान पंचायत टाहली में स्थिति बिल्कुल अलग है। यहां के लगभग 120 परिवारों को इस भीषण गर्मी में भी नियमित पेयजल मिल रहा है। और इसका श्रेय जाता है जल जीवन मिशन की सफल क्रियान्वयन रणनीति को केवल देवठान ही नही बल्कि पूरे बैतूल जिले में इस मिशन का व्यापक असर देखने को मिला है। जहां पहले हर वर्ष करीब 450 ग्रामों में पेयजल संकट उत्पन्न होता था, वहीं इस वर्ष 291 समस्याग्रस्त ग्रामों में पर्याप्त और नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। जिले के कुल 718 ग्रामों में नल से पर्याप्त पानी मिल रहा हैं। ग्राम की महिलाओं ने बताया कि पहले उन्हें भीषण गर्मी में पानी लाने में काफी समस्या होती थीं। दूर नदी तालाब या झिरिया तक जाकर पानी लाना पड़ता था। जिसमें शारीरिक कष्ट के साथ समय भी काफी लगता था। अब घर बैठे नल से पानी मिलने से बहुत आराम हैं। हम सभी महिलाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और हमारे प्रिय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रति बहुत बहुत आभारी है। इस परिवर्तन के पीछे जिला प्रशासन की प्रभावी योजना, सतत निगरानी और विभागों के बीच बेहतरीन समन्वय रहा है। जिला कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के नेतृत्व में ग्राम पंचायतों और विभागीय ठेकेदारों को स्पष्ट लक्ष्य दिए गए।

चौरसिया मानस मंडल समिति ने परिचय व सामूहिक विवाह सम्मलेन का आयोजन किया

खरगोन। सकल तंबोली समाज के तत्वाधान में चौरसिया मानस मंडल राम मंदिर भोपाल समिति द्वारा परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह आयोजित किया गया उक्त कार्यक्रम में सकल तंबोली समाज के समस्त घटक दल ने अपने-अपने स्तर पर सामूहिक सम्मेलन को सफल बनाने शारीरिक एवं आर्थिक दोनों प्रकार के सहयोग से भोपाल में आयोजित सम्मेलन पूर्णतया सफल रहा साथ ही समाज द्वारा सामाजिक पत्रिका का विमोचन किया गया उक्त पत्रिका में भी सकल तमोली समाज के समस्त घटक दल ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और सभी के सहयोग से कार्यक्रम को सफलता मिली है साथी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे श्री

रमेश लक्खूलाल चौरसिया सकल तंबोली समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा 21000 की नकद धनराशि देकर समाज की बेटियों को आशीर्वाद प्रदान किया गया है कार्यक्रम में मुख्यरूप से संतोष कुमरावत खंडवा वीरेंद्र पटेल कार्यकारी अध्यक्ष इन्दौर तथा कार्यक्रम के मुख्य मार्गदर्शक एवं वरिष्ठ समाजसेवी सुमन चौरसिया इंदौर और उनके साथी अनिल जी मोदी देवास चिंतामण मोदी बालगढ़ धर्मेंद्र मोदी बालगढ़ अंबाराम काकरीवाल देवास मोहनलाल कुमरावत देवास मुकेश मोदी नागदा विष्णु मोदी कन्नौद तथा उनकी टीम कुकड़ेश्वर से लोकेश मोदी भानपुरा से शिवाजी बंबोरिया तथा कार्यक्रम में छोटी सादड़ी से कीर्ति मोदी ग्वालियर से रमेश चौरसिया देवेंद्र चौरसिया राजेश जी चौरसिया मनोज चौरसिया सदाशिव डोंगरे बेटमा से खूबचंद कुमरावत कार्यक्रम में उपस्थित रहे और आप सभी के सहयोग से सम्मेलन के संयोजक कृष्णकांत चौरसिया भोपाल के द्वारा कार्यक्रम को सफलता तक पहुंचाया गया आप सभी का हार्दिक अभिनंदन आप सभी महानुभावों के सहयोग के लिए धन्यवाद ।

उपार्जन केंद्र पर सर्वेयर द्वारा गेहूं की गुणवत्ता जांच के लिए किया जा रहा प्रयास

थैली में सुरक्षित रखा जा रहा है गेहूं का सेंपल

औबेदुल्लागंज(संवाददाता)। कुछ समाचार पत्र में दिनांक 22 अप्रैल 2025 के अंक में समाचार प्रकाशित किया गया है कि गौहरगंज तहसील अंतर्गत उपार्जन केन्द्रों पर केन्द्र संचालक / वेयर हाउस संचालक द्वारा प्रत्येक किसान से 600 ग्राम गेहूँ प्रति क्विंटल अधिक तौला जा रहा है। इस समाचार के संबंध में उपायुक्त सहकारिता रायसेन एवं जिला आपूर्ति अधिकारी रायसेन द्वारा तहसील गौहरगंज अंतर्गत निर्धारित गेहूँ उपार्जन केन्द्र निहाल वेयरहाउस औबेदुल्लागंज की जॉच नायब तहसीलदार गौहरगंज, ज्ञापन प्रस्तुतकर्ता सुरजीत नागर उपाध्यक्ष राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ जिला रायसेन सदस्य राहुल गौर एवं

समिति प्रबंधक तथा वेयर हाउस संचालक की उपस्थिति में की गई । जांच के दौरान मौके पर पाया गया कि केन्द्र पर नियुक्त सर्वेयर के द्वारा प्रति ट्राली 1 से 1.5 किलोग्राम गेहूँ सेम्पल जाँच हेतु लिया जाता है जो कि थैलियों में रखा जाता है। उपस्थित पंचगणों के समक्ष सेम्पल लिये गये थैलियों का वजन किया गया जिसमें औसतन गेहूँ की मात्रा प्रति ट्राली 1.050 किलोग्राम से 1.700 किलोग्राम पाई गई । सेम्पल जॉच के अतिरिक्त केन्द्र पर किसानों से किसी भी प्रकार से अतिरिक्त गेहूँ नहीं लिया जा रहा है इसकी पुष्टि उपस्थित पंचगणों कृषकों एवं किसान मजदूर महासंघ के उपस्थित पदाधिकारियों के द्वारा की गई ।

हैप्पी सीडर, सुपर सीडर का प्रयोग कर बिना नरवाई जलाए ही सीधे बुवाई करें

छतरपुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार खेतों की नरवाई में आग लगाने की घटनाओं को रोकने के संबंध में कमेटी गठित की गई है। जिसमें ग्राम पंचायत स्तर पर पटवारी, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं संबंधित क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी शामिल है। गठित कमेटी सेटेलाईट से प्राप्त नरवाई जलाने की घटना की पुष्टि कर प्रतिवेदन संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार को प्रस्तुत करेगी। प्राप्त प्रतिवेदन अनुसार तहसीलदार दण्ड अधिरोपित करने की कार्यवाही सुनिश्चित करेगें।

पर्यावरण सुरक्षा हेतु माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा नरवाई जलाने पर 02 एकड़ से कम भूमि धारक को 2500 रुपये प्रति घटना, 02

से 05 एकड़ भूमि धारक कृषक को 5000 रुपये प्रति घटना तथा 05 एकड़ से अधिक भूमि धारक कृषक को 15000 रुपये प्रति घटना दण्ड का प्रावधान किया गया है।

किसान भाइयों से अपील की जाती है कि पर्यावरण प्रदूषण को रोकने, मृदा की उर्वरता बनाये रखने एवं जन-धन हानि को रोकने अपने खेतों की नरवाई को न जलाएं बल्कि उसका उचित प्रबंधन जैसे स्ट्रारीपर की सहायता से भूषा निर्माण अथवा रिवर्सिवल प्लाऊ, रोटावेटर जैसे उपकरणों से मिट्टी में मिला कर मृदा को उपजाऊ बनाए। नरवाई युक्त खेतों में हैप्पी सीडर सुपर सीडर की मदद से फसलों की सीधी बुबाई कर फसल उत्पादन लागत को कम कर सकते है। हैप्पी सीडर सुपर सीडर का उपयोग करने से नरवाई में आग की घटना, बुबाई पूर्व जुताई की लागत को कम किया जा सकता है। साथ ही नरवाई मृदा में मिल जाने से मृदा की उर्वरता में वृद्धि होती है।

बैरसिया में जैन समाज का मौन जुलूस

देशभर में हो रहे अत्याचारों के विरोध में सौंपा गया ज्ञापन

बैरसिया। जैन धर्म पर लगातार हो रहे अत्याचारों और अनदेखी घटनाओं के विरोध में सोमवार को बैरसिया नगर में जैन समाज द्वारा एक विशाल मौन जुलूस निकाला गया। यह जुलूस नगर के प्राचीन जैन मंदिर, महावीर मार्ग से शुरू होकर एसडीएम कार्यालय तक पहुँचा, जहाँ समाजजनों ने राष्ट्पति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में मुंबई के विले पार्ले स्थित जैन मंदिर को तोड़ने वाले अधिकारियों पर त्वरित निलंबन की माँग की गई, साथ ही नीमच (म.प्र.) में जैन साधुओं पर हुए हमले की निष्पक्ष जांच और उनके विहार के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की गई। जबलपुर में दो भाजपा नेताओं द्वारा जैन समाज को लेकर की गई अभद्र टिप्पणियों

की भी कड़ी निंदा की गई।

इस शांति पूर्ण प्रदर्शन में नगर के सैकड़ों समाजजन–महिलाएं, पुरुष, बच्चे और वरिष्ठ नागरिक–बड़ी संख्या में शामिल हुए। श्री दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के अध्यक्ष मुकेश जैन, उपाध्यक्ष नितिन जैन, कोषाध्यक्ष सुरेश जैन, पार्षद नितिन जैन (टिक्कू भैया), वरिष्ठजन भगवान दास बियाणी, विजय सोनी, अनुपम शर्मा, विवेक उपाध्याय, हनीफ खान एवं अन्य गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

समाज के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप जैन ने इस अवसर पर कहा, जैन समाज अहिंसा और शांति का प्रतीक है। हम शांत जरूर हैं, लेकिन कमजोर नहीं। धर्म पर जब-जब चोट होगी, समाज संगठित होकर उसका जवाब देगा। हम शासन-प्रशासन से आग्रह करते हैं कि जैन समाज की आस्था और सुरक्षा का सम्मान किया जाए।

रतलाम के जावेद मेव ने यूपीएससी क्रेक कर किया कमाल, 815वीं रैंक

रतलाम। शहर के जवाहर नगर निवासी जावेद मेव ने यूपीएससी सिविल सर्विस परीक्षा 2024 में 815वीं रैंक हासिल की है। मंगलवार दोपहर घोषित हुए नतीजों में उनका नाम आते ही परिवार, रिश्तेदार व शुभचिंतकों में खुशी छा गई।सभी ने उनका स्वागत किया तथा मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

जावेद मेव पढ़ाई में बचपन से ही होशियार है। उन्होंने मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं की परीक्षा की प्रदेश की मेरिट लिस्ट में नौंवा स्थान प्राप्त किया था।इसके बाद उन्होंने 2013 से 2017 तक जयपुर में रहकर एमएनआईटी से मेकेनिकल ब्रांच में बी-टेक किया।बीटेक करने के बाद वे दिल्ली चले गए तथा वहीं रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रहे थे। पिछले वर्ष उन्होंने यूपीएससी की सेंट्रल

आर्म्ड पुलिस फोर्स (सीएपीएफ) की असिस्टेंट कमाडेंट की भर्ती परीक्षा पास कर 65वीं रेंक हासिल की थी। उन्हें असिस्टेंट कमांडेंट पद मिला था, जिसकी ट्रेनिंग तीन मई 2025 से शुरू होने वाली है।। इसके पहले वे रेलवे की ग्रुप सी की भी परीक्षा उर्तीण कर चुके है। जावेद के पिता सलीम मेव पहले नगर निगम में दैनिक वेतन भौगी कर्मचारी थे।

भारत रत्न डॉ आंबेडकर के व्यतित्व पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ

धार। भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 135 वीं जयंती के उपलक्ष्य में अंबेडकर जी के व्यतित्व, कृतित्व और राष्ट्रनिर्माण में उनके अमूल्य योगदान को लेकर जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन मंगलवार को धार के इंदौर नाका स्थित ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता देवास - शाजापुर लोकसभा सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी एवं पूर्व युवा आयोग अध्यक्ष डॉ निशांत खरे ने संबोधित किया। इस दौरान भाजपा संगठन संभाग प्रभारी राघवेंद्र गौतम भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती विधायक श्रीमती नीना वर्मा संगोष्ठी टोली सदस्य महेंद्र सिंह चाचू बना अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनमचंद फकीरा मंचासीन रहे। अतिथियों ने सर्व प्रथम भारतमाता संविधान निर्माता डॉ अंबेडकर जी,पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि व दीप प्रज्जवलित कर संगोष्ठी का विधिवत आरंभ किया।

नरवाई जलाने पर जिले में 51 किसानों पर अर्थदंड एवं 7 पर दर्ज हुई एफआईआर

छतरपुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल द्वारा नरवाई नहीं जलाने के संबंध में आदेश जारी किया गया था। साथ ही आमजनों से खेतों की नरवाई नहीं जलाने की अपील भी की गई थी। साथ ही कलेक्टर द्वारा खेतों की नरवाई में आग लगाने की घटनाओं को रोकने के संबंध में कमेटी गठित की गई है। जिसमें ग्राम पंचायत स्तर पर पटवारी, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं संबंधित क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी शामिल है। गठित कमेटी सेटेलाईट से प्राप्त नरवाई जलाने की घटना की पुष्टि कर प्रतिवेदन संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार को प्रस्तुत करती है। प्राप्त प्रतिवेदन अनुसार तहसीलदार दण्ड अधिरोपित करने की कार्यवाही सुनिश्चित करते हैं। पर्यावरण सुरक्षा के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिव्यूनल द्वारा नरवाई जलाने पर 02 एकड़ से कम भूमि धारक को 2500 रुपये प्रति घटना, 02 से 05 एकड़ भूमि धारक कृषक को 5000 रुपये प्रति घटना तथा 05 एकड़ से अधिक भूमि धारक कृषक को 15000 रुपये प्रति घटना दण्ड का प्रावधान किया गया है।

स्पर्श सीसीटीवी ने भारत में एसटीक्यूसी प्रमाणन के साथ नेतृत्व शुरू किया

नई दिल्ली, एजेंसीद्ध। भारत की अग्रणी सीसीटीवी कैमरा और इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा समाधान निर्माता स्पर्श ने आज घोषणा की कि वह भारत की पहली कंपनी बन गई है जिसने अपने सबसे विस्तृत सीसीटीवी उत्पाद पोर्टफोलियो के लिए एसटीक्यूसी (स्टैंडर्डाइजेशन टेस्टिंग एंड क्वालिटी सर्टिफिकेशन) प्राप्त किया है। यह उपलब्धि उस समय हासिल की गई है जब भारत सरकार ने 9 अप्रैल 2025 से सभी आईपी सीसीटीवी कैमरों की बिक्री के लिए एसटीक्यूसी प्रमाणन अनिवार्य कर दिया है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि स्पर्श की गुणवत्ता, सुरक्षा और आत्मनिर्भर भारत की पहल के प्रति शुरुआती प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जहां नए नियम अब सभी सीसीटीवी कैमरों के लिए एसटीक्यूसी प्रमाणन को कानूनी रूप से आवश्यक बनाते हैं, वहीं स्पर्श का अग्रसक्रिय दृष्टिकोण इसे प्रमाणित समाधान प्रदान करने वाले पहले ब्रांड के रूप में स्थापित करता है, जिससे इसके ग्राहकों और भागीदारों को किसी भी प्रकार की रुकावट का सामना नहीं करना पड़ेगा।

स्मार्ट सिटीज मिशन: 1.50 लाख करोड़ की 90 फीसदी से ज्यादा परियोजनाएं पूरी, शहरी विकास को मिल रही रफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 25 जून, 2015 को शुरू किया गया स्मार्ट सिटीज मिशन अपने 10 साल पूरे करने के करीब है। इस मिशन के तहत 100 शहरों में करीब 1.64 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली 8,000 से अधिक मल्टी-सेक्टोरल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। एसबीआई ने स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत हुई महत्वपूर्ण प्रगति पर जारी एक रिपोर्ट में कहा, कुल परियोजनाओं में से 7,504 यानी 90 फीसदी से अधिक पहले ही पूरी हो चुकी हैं, जिनकी लागत 1.50 लाख करोड़ रुपये है। यह बताता है कि देशभर में शहरी विकास में तेजी से प्रगति हो रही है।मिशन का जोर अर्बन मोबिलिटी (शहरी गतिशीलता) और जल/स्वच्छता बुनियादी ढांचे में सुधार पर रहा है। कुल लागत का करीब 50 फीसदी खर्च इन दो क्षेत्रों पर किया गया है, जिसमें 3,000 से अधिक परियोजनाएं शामिल हैं। इन दोनों क्षेत्रों में हर परियोजना पर औसतन 22 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत परियोजनाओं पर खर्च किए गए 1.64 लाख करोड़ रुपये में से करीब 92 फीसदी फंड का इस्तेमाल 21 प्रमुख राज्यों में किया गया है। फंड इस्तेमाल करने वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। तमिलनाडु दूसरे और महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर है। परियोजनाओं पर कुल खर्च में इन तीनों राज्यों की हिस्सेदारी एक तिहाई है। केंद्र सरकार ने शहरी विकास की रफ्तार तेजी से बढ़ाने के लिए स्मार्ट सिटीज मिशन पर पांच वर्षों में 48,000 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई है। इसमें हर शहर को प्रति वर्ष औसतन 100 करोड़ रुपये मिलेंगे।

उपभोग-निवेश अर्थव्यवस्था के मजबूत इंजन कमजोर विदेशी मांग से प्रभावित हो सकती है वृद्धि

नईदिल्ली, एजेंसी। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच उपभोग और निवेश जैसे वृद्धि के घरेलू इंजन मजबूत बने हुए हैं।ये बाहरी प्रतिकूल परिस्थितियों से अपेक्षाकृत कम प्रभावित हैं। हालांकि, वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के कमजोर होने के साथ विदेश से मांग में नरमी के कारण भारत की आर्थिक वृद्धि दर प्रभावित हो सकती है। आरबीआईने मंगलवार को जारी अप्रैल के बुलेटिन में कहा, सूझबूझ के साथ नीतिगत समर्थन भारत को वैश्विक अस्थिरता को अवसर में बदलने और उभरते परिदृश्य में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद कर सकता है। हालांकि, व्यापार तनाव और वित्तीय बाजार में अस्थिरता ने निकट भविष्य में वैश्विक वृद्धि के कमजोर होने के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। बुलेटिन में आगे कहा गया है कि इस साल मानसून के सामान्य से बेहतर रहने का अनुमान से कृषि क्षेत्र की संभावनाओं को बढ़ावा मिला है। इससे कृषि आय में वृद्धि हो सकती है और खाद्य कीमतों को काबू में रखने में मदद मिल सकती है। बुलेटिन के मुताबिक, भारत के विभिन्न देशों के साथ व्यापार संबंधों को देखते हुए यह आपूर्ति शृंखला को व्यवस्थित कर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के स्रोतों को विविध बनाकर और वैश्विक निवेशकों के साथ जुड़ाव से लाभान्वित होने को तैयार है।

आयकर विभाग ने पोर्टल पर शुरू की ई-पे टैक्स सुविधा, आसानी से भुगतान कर सकेंगे कर

नईदिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने अपने आधारिक ऑनलाइन पोर्टल पर ई-पे टैक्स सुविधा शुरू की है। विभाग ने मंगलवार को कहा है कि उसने करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। अब करदाता अपने करों का भुगतान आसानी से कर सकेंगे। आयकर विभाग ने एक बयान में कहा, विभाग द्वारा शुरू की गई ई-पे टैक्स सुविधा आपके कर दायित्वों को पूरा करने का एक सुंदर, कुशल और परेशानी मुक्त तरीका है। विभाग ने आगे कहा कि अब बैंकों में लंबी कतारें, थकाऊ फॉर्म भरने और आखिरी समय में कर भुगतान की चिंता के दिन खत्म हो गए हैं। टैक्स भरने को आसान और सुविधाजनक बनाने के लिए, और लोगों को डिजिटल तरीके से सशक्त करने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए, आयकर विभाग ने अपने आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल पर ई-पे टैक्स सुविधा शुरू की है। आयकर विभाग ने कहा कि यह सुविधा टैक्स भुगतान प्रक्रिया में रुकावटों को दूर करेगी। साथ ही समय पर टैक्स भरने की संस्कृति को भी प्रोत्साहित करेगी। विभाग ने आगे कहा कि यह सुविधा कर प्रशासन को नागरिकों के करीब लाती है, विशेष रूप से व्यक्तियों और छोटे व्यवसायों के लिए, तथा उन्हें एक सीधा डिजिटल मार्ग प्रदान करती है।

अडानी ग्रुप ने टेलीकॉम बिजनस से पल्ला झाड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमूमन ऐसा कम ही देखने को मिलता है कि गौतम अडानी किसी प्रोजेक्ट में हाथ डालें और फिर पीछे हट जाएं। लेकिन पहली बार ऐसा होने जा रहा है। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस ने टेलीकॉम सेक्टर से हाथ पीछे खींचने का फैसला किया है। अडानी ग्रुप ने साल 2022 में जो स्पेक्ट्रम खरीदा था, उसे भारती एयरटेल को बेचने का फैसला किया है। अडानी डेटा नेटवर्क्स ने बैंड में 400 एमएच5 स्पेक्ट्रम लगभग 212 करोड़ रुपये में खरीदा था। अब यह स्पेक्ट्रम एयरटेल को मिल जाएगा। अडानी ग्रुप ने पहले कहा था कि वह इस स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल अपने निजी इस्तेमाल के लिए करेगा। लेकिन टेलीकॉम विभाग के नियमों के अनुसार स्पेक्ट्रम खरीदने वाली कंपनियों को कुछ शर्तों को पूरा करना होता है। ऐसा न करने पर जुर्माना लग सकता है। सुनील भारती मित्तल की अगुवाई वाली कंपनी एयरटेल ने कहा कि भारती एयरटेल और उसकी सहायक कंपनी भारती हेक्साकॉम ने अडानी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी अडानी डेटा नेटवर्क्स के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के तहत एयरटेल को गुजरात (100एमएच5), मुंबई (100एमएच5), आंध्र प्रदेश (50एमएच5), राजस्थान (50एमएच5), कर्नाटक (50एमएच5) और तमिलनाडु (50एमएच5) में 26जीएच5 बैंड का 400एमएच5 स्पेक्ट्रम इस्तेमाल करने का अधिकार मिलेगा। कंपनी ने यह भी कहा कि यह सौदा कुछ शर्तों और सरकारी मंजूरियों के बाद पूरा होगा।

अक्षय ऊर्जा में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा

भोपाल। अब देश में निर्माण होने वाले सोलर पैनलों की परीक्षण व प्रमाणीकरण की सुविधा देश में ही उपलब्ध होगी। नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री (एमएनआरई) प्रह्लाद जोशी ने राष्टीय राजधानी क्षेत्र गुड़गांव में नेशनल इंस्ट्टीयूट ऑफ सोलर इनर्जी (नाइस) की तरफ से स्थापित पीवी मॉड्यूल की टेस्टिंग व कैलिब्रेशन लैब का उद्घाटन किया।

देश के सबसे बड़े प्रॉब्लम-सॉल्विंग प्लेटफॉर्म, एचसीएल जिगसॉ के छठे एडिशन के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। एचसीएल ने देश के सबसे बड़े प्रॉब्लम-सॉल्विंग प्लेटफॉर्म, एचसीएल जिगसॉ का छठा एडिशन पेश किया है। यह प्लेटफॉर्म खासतौर पर स्कूल के छात्रों के लिए तैयार किया गया है, ताकि उनमें नवाचार, विश्लेषण और तार्किक सोच को बढ़ावा दिया जा सके। एचसीएल जिगसॉ का उदेश्य छात्रों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं को समझने और सुलझाने में सक्षम बनाना है। इसमें कक्षा 6 से 9 तक के छात्रों का मूल्यांकन 21वीं सदी की महत्वपूर्ण स्किल्स के आधार पर किया जाता है, जिनमें रिसर्च, क्रिटिकल थिंकिंग और कम्युनिकेशन शामिल है। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक छात्र या स्कूल पर जाकर 31 जुलाई तक रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। कुल 12 लाख रुपए से अधिक की पुरस्कार राशि फाइनलिस्ट्स को दी जाएगी, जिसमें एचसीएल के इनोवेशन लैब्स में लर्निंग अवसर भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, एचसीएल जिगसॉ सभी स्कूल के छात्रों को बिना किसी शुल्क के भाग लेने का मौका देता है। छठे एडिशन में, प्रोजेक्ट-आधारित चुनौती का उद्देश्य कोलैब, क्रिएट और कॉन्कर रहेगा, जो इस साल के मिशन के तौर पर पेश किया गया है। सम्पूर्ण भारत के लिए संचालित की जा रही यह पहल भारत के शीर्ष युवा प्रॉब्लम सॉल्वर्स के विकास को बढ़ावा देने पर आधारित है, जो उनके क्रिटिकल थिंकिंग कौशल को एक सख्त मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से मजबूत करती है और इसके लिए उन्हें पुरस्कृत भी करती है। यह पहल भारत की नई शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप है, जो कॉग्निटिव लर्निंग (संज्ञानात्मक शिक्षा) और भविष्य के लिए तैयार स्किल्स को बढ़ावा देती है। इस पहल पर विचार करते हुए, रजत चंदोलिया, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट और हेड- ब्रांड, एचसीएल ग्रुप, ने कहा, एचसीएल में, हमारा उद्देश्य युवाओं की क्षमता को बढ़ावा देना है, ताकि वे गतिशील दुनिया के साथ-साथ आगे बढ़ सकें। एचसीएल जिगसॉ कोई म्ज़ि या ओलंपियाड नहीं है, बल्कि यह एक लॉन्चपैड है, जो युवा विचारकों, सहयोगियों और रचनाकारों को समर्पित है। अब तक हमें मिली भागीदारी शानदार रही है। ऐसे में, अब हम इस एडिशन से और भी अधिक स्कूलों को प्रेरित करने के लिए उत्साहित हैं, ताकि वे अपने छात्रों की क्षमता को उजागर कर सकें, जहाँ कक्षाएँ वास्तविक दुनिया से मिलती हैं।

सोना इस साल 22,650 महंगा, अगले एक माह में 8 फीसदी तक घट सकते हैं दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। टैरिफ वार शुरू होने के बाद दुनियाभर में उपजी अनिश्चितताओं के बीच सोना लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है।मंगलवार को यह दिल्ली सराफा बाजार में एक लाख रुपये के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार पहुंच गया है। इसके साथ ही, सोने की कीमत इस साल अब तक 22,650 रुपये या 28.68 फीसदी बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर, 2024 को सोना 78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव बंद हुआ था। सराफा कारोबारियों का कहना है कि अक्षय तृतीया जैसे त्योहार और शादी-विवाह के सीजन में मांग बढ़ने की उम्मीद के चलते आभूषण विक्रेताओं ने सोने की खरीदारी बढ़ाई है, जिससे बहुमूल्य धातु की कीमतों को समर्थन मिला है। केडिया एडवाइजरी के निदेशक अजय केडिया ने कहा, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद घरेलू बाजार में सोने की कीमत अगले एक महीने में घटकर 91,000 से 92,000 रुपये के स्तर पर आ सकती हैं, जो 7-8 फीसदी की गिरावट को दर्शाता है। अगर व्यापार युद्ध में नरमी आती है और अनिश्चितताएं कुछ कम होती हैं, तो सोने में और बड़ी गिरावट आ सकती है। अजय केडिया ने कहा, अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। लेकिन, मौजूदा हालात में कीमतें जिस रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं, उसमें नई खरीदारी से बचना चाहिए। सोना एक साल में 40 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। 1980 के बाद से किसी भी एसेट क्लास ने इतना बड़ा रिटर्न नहीं दिया है। ऐसे में सोने में मुनाफावसूली हो सकती है, जिससे कीमतों में गिरावट आने का अनुमान है।

अक्षय तृतीया पर अच्छी खरीदी की उम्मीद

विश्व स्वर्ण परिषद के क्षेत्रीय सीईओ सचिन जैन ने कहा, उद्योग की प्रतिक्रिया से पता चलता है कि अक्षय तृतीया पर खरीदारी का रुझान अच्छा रहेगा। अनिश्चितताओं के बावजूद खुदरा आभूषण विक्रेताओं के पास पर्याप्त स्टॉक है।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन 2025 तक 1000 गांवों को स्वच्छ, नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों तक पहुंच प्रदान करेगा

मुंबई, एजेंसी। जैसा कि दुनिया 2025 में पृथ्वी दिवस मना रही है, एचडीएफसी बैंक अपने प्रमुख सीएसआर पहल, परिवर्तन के तहत एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर घोषित करके सतत प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। बैंक 2025 तक अभिनव सौर-संचालित बुनियादी ढांचे, जागरूकता और स्थानीय भागीदारी के माध्यम से भारत भर में 1,000 से अधिक गांवों को स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों तक पहुंच प्रदान कर ग्रामीण और अर्ध-शहरी समुदायों को सशक्त बनाना। नवीकरणीय ऊर्जा में बैंक का काम इस साल के पृथ्वी दिवस की थीम, हमारी शक्ति, हमारा ग्रह के अनुरूप है, जो स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने के वैश्विक त्वरण का आह्वान करता है। प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के अपने स्तंभ के तहत, एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने 22 राज्यों में 61,655 से अधिक सौर स्ट्रीटलाइट्स स्थापित की हैं। स्ट्रीट लाइट के अलावा, परिवर्तन सरकारी स्कूलों और अस्पतालों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सौर पैनल लगा रहा है। इसने कई सौर पहल भी शुरू की हैं जो ग्रामीण जीवन को सड़क सुरक्षा से लेकर पीने के पानी, खेती, खाद्य प्रसंस्करण और आजीविका में वृद्धि तक बेहतर बना रही हैं। यह समझते हुए कि केवल बुनियादी ढांचा ही पर्याप्त नहीं है, एचडीएफसी बैंक ने सोलर शिक्षा विकसित की है, जो अर्ध-शहरी भारत में सौर ऊर्जा अपनाने के रहस्य को दूर करने के लिए डिज़ाइन की गई एक जागरूकता पहल है।

कूल रहें और स्मार्ट खरीदारी करें अमेजन पर पालतू जानवरों, शिशुओं और तंदरुस्ती के लिए आपकी बेहतरीन गर्मियों की गाइड

बेंगलुरु, एजेंसी। बढ़ते तापमान के साथ, ठंडा और आरामदायक रहना सर्वोच्च प्राथमिकता है और अमेजन डाट इन आपको पूरे मौसम में ठंडा और आरामदायक रहने में मदद करने के लिए मौजूद है। ताज़ा और ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय पदार्थों से लेकर, पालतू जानवरों की देखभाल के लिए ज़रूरी सामान और शिशु देखभाल उत्पादों तक, इस वन-स्टॉप डेस्टिनेशन में तेज़ और विश्वसनीय डिलीवरी की सुविधा के साथ गर्मियों की हर ज़रूरी चीज़ की विस्तृत श्रृंखला मौजूद है। ग्राहक अमेज़न पे का उपयोग करके अतिरिक्त बचत और सुविधा का भी आनंद ले सकते हैं; प्राइम सदस्यों को 10 लाख से अधिक उत्पादों पर उसी दिन डिलीवरी का आनंद मिलता है। चाहे आप धूप में बाहर जाने की योजना बना रहे हों या घर के अंदर शीतलता पाने के तरीके खोज रहे हों, अमेजन डाट इन यह सुनिश्चित करता है कि आपको लिक्विड आई.वी., स्लीपी आउल, ग्लूकोन-डी, हिमालय, बैम्बो नेचर, पेटविट और गूफी टेल्स जैसे शीर्ष ब्रांडों से सभी आवश्यक उत्पाद सीधे आपके घर के दरवाजे तक पहुंचाई जाएं।

लिक्विड आई.वी. हाइड्रेशन मल्टीप्लायर: हाइड्रेशन मल्टीप्लायर प्रीमियम सामग्री से बने इस पेय मे प्राकृतिक स्वाद हैं और यह वर्कआउट, यात्रा या लंबे दिनों के लिए एकदम सही है।

ग्लूकोन-डी टैंगी ऑरेंज ग्लूकोज़ पाउडर: इस ग्लूकोज़ पाउडर से ऊर्जावान और तरोताज़ा रहें। तुरंत ऊर्जा पाने के लिए बनाया गया यह पेय थकान से लड़ने में मदद करता है और आपको गर्म, थकाऊ दिनों में भी सक्रिय रखता है। इसका स्वादिष्ट टैंगी ऑरेंज फ्लेवर हाइड्रेशन को और भी मज़ेदार बनाता है इसे पानी में मिलाकर कभी भी, कहीं भी पिएं और तुरंत ऊर्जा पाएँ।

कॉन्टिनेंटल दिस लेमन आइस्ड टी: कॉन्टिनेंटल दिस लेमन प्रीमिक्स आइस्ड टी के साथ ठंडक पाएं, यह प्राकृतिक स्वाद और बिना किसी कृत्रिम योजक के साथ बनाया गया सिट्रस का एक ताज़ा विस्फोट है। कुछ ही सेकंड में तैयार हो जाने वाली यह क्रिस्प, ज़ेस्टी आइस्ड टी किसी भी अवसर के लिए एकदम सही है।

मोगू मल्टी फ्लेवर मिक्स फ्रूट जूस: मोगू के साथ एक मजेदार और ताज़गी भरा अनुभव पाएं, यह एक अनोखा फ्रूट जूस है जिसमें नाटा डे कोको मिलाया गया है - यह किण्वित नारियल पानी से बना एक चबाने वाला, स्वादिष्ट ट्रीट है। हर घूंट में शानदार टेक्सचर के साथ बोल्ड फ्रूट फ्लेवर का मिश्रण होता है, जो हाइड्रेशन को वाकई एक सुखद अनुभव बनाता है।

तरीका बदला और टेक्नोलॉजी का किया इस्तेमाल, अब महीने में 5 लाख की कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। गुजरात के धीरेंद्र कुमार देसाई ने आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करके केले की खेती में क्रांति ला दी है। वह प्रति एकड़ 35 टन केले की उपज हासिल करते हैं। खेती से उनकी सालाना कमाई 50-60 लाख रुपये है। 51 वर्षीय धीरेंद्र कुमार ने टिश्यू कल्चर तकनीक और आधुनिक सिंचाई विधियों को अपनाकर अपनी खेती को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उनकी सफलता की कहानी पूरे देश के किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने अन्य किसानों को भी आधुनिक खेती के तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया है। आइए, यहां धीरेंद्र कुमार देसाई की सफलता के सफर के बारे जानते हैं। धीरेंद्र कुमार भानुभाई देसाई गुजरात के भरूच जिले के झगाड़िया तालुका के पनेठा गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने 1991 में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद खेती शुरू की। उनका परिवार पहले पारंपरिक तरीके से खेती करता था। इससे ज्यादा फायदा नहीं होता था। धीरेंद्र कुमार ने खेती में बदलाव लाने का फैसला किया। उन्होंने आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया। अपनी खेती को पूरी तरह से बदल दिया। उन्होंने आसपास के किसानों को भी मदद की। धीरेंद्र कुमार ने केले और गन्ने की खेती से शुरुआत की। उन्हें कई तरह की परेशानियां आईं, जैसे कि पैसे की कमी और खेती के लिए जरूरी चीजों का अभाव। एक बार वह कृषि दौरे पर गए। वहां उन्होंने ड्रिप सिंचाई, टिश्यू कल्चर और इंटीग्रेटेड बायो-न्यूट्रिएंट मैनेजमेंट के बारे में जाना। मोर क्रॉप पर ड्रॉप' यानी हर बूंद में ज्यादा फसल के नारे से प्रेरित होकर धीरेंद्र कुमार ने लगातार फसल उगाने का तरीका अपनाया। इससे उनकी पैदावार बहुत बढ़ गई। साथ ही लागत कम हो गई। धीरेंद्र कुमार ने केले की खेती में कई नए तरीके अपनाए। उन्होंने ड्रिप सिंचाई, प्लांट टिश्यू कल्चर, हरी खाद और बायो-कंपोस्टिंग का इस्तेमाल किया। वह केले की त्9 किस्म उगाते हैं। उनकी तकनीक पूरे देश में एक मिसाल बन गई है। उनकी पैदावार दोगुनी हो गई है। पहले प्रति एकड़ 15 टन केले की उपज होती थी, जो अब बढ़कर 35 टन प्रति एकड़ हो गई है। उनके खेत में ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल करके फसलों पर कीटनाशक का छिड़काव किया जाता है। इससे और भी बेहतर तरीके से काम हो पाता है। धीरेंद्र कुमार ने अपनी निजी सफलता से बढ़कर किसानों के समुदाय को ऊपर उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने केला उत्पादकों के लिए एक को-ऑपरेटिव सोसाइटी बनाई है। इससे किसानों को सामूहिक रूप से मार्केटिंग करने और अपनी आय बढ़ाने में मदद मिलती है। उनके प्रयासों से गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के 1,000 से अधिक किसानों को हाई-टेक केले की खेती के तरीकों को अपनाने की प्रेरणा मिली है। केले के अलावा, देसाई ने अपने खेत में ब्राजील के मीठे संतरे की किस्म नाटल के 1200 पौधे लगाए हैं। उनकी दूरदर्शी सोच के कारण उनके गांव में एक केला चिप्स बनाने की इकाई की स्थापना हुई है।

शहर कांग्रेस में दो क्षेत्रीय अध्यक्ष मनोनित

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार शहर कांग्रेस कमेटी छिन्दवाड़ा में दो क्षेत्रीय अध्यक्ष मनोनीत किए गए हैं। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे व शहर कांग्रेस कमेटी के प्रभारी धर्मेन्द्र सोनू मागो की सहमति उपरांत व पश्चिम उप ब्लॉक प्रभारी आशीष चौधरी व अध्यक्ष तरूण कराड़े से चर्चा के पश्चात शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पप्पू यादव के द्वारा शहर कांग्रेस में दो क्षेत्रीय अध्यक्षन मनोनित किए गए हैं। लोनिया के वार्ड क्रमांक 45,40 व 47 के क्षेत्रीय अध्यक्ष अल्केश कोल्हे व वार्ड क्रमांक 39 व 41 में क्षेत्रीय अध्यक्ष तारकेश्वर काले (चिंटू) मनोनित किए गए हैं।

पेशंनरों ने वित्त सचिव के नाम सौंपा ज्ञापन

छिन्दवाड़ा। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन म.प्र.जिला शाखा छिन्दवाड़ा के अध्यक्ष मीर जाहिद अली एवं उपाध्यक्ष के.एस.सेंगर ने बताया कि वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन भोपाल (म.प्र.) के प्रांतीय अध्यक्ष एड.राजकुमार दुबे के आव्हान पर प्रदेश के सभी जिलो, तहसील, ब्लॉक में केन्द्र सरकार द्वारा पारित वित्त विधेयक में आठवें वेतनमान का लाभ 1 जनवरी 2025 के पहले सेवानिवृत्त पेशंनर को नहीं देने का अन्यायपूर्ण प्रावधान किया गया है। जो कि पेंशनरों के मौलिक अधिकारों का हनन हैं (सुप्रीम कोर्ट का निर्णय दिनांक 17/12/1982 शासन विरूद्ध डी.एस.नकारा) इसका हम सभी पेंशनर, मुख्य अभियंता संघ जिला छिन्दवाड़ा एवं अन्य पेंशनर्स संगठन पुरजोर विरोध करते है इस विधयेक पर पुर्नविचार कर सभी पेंशनरों को शामिल करने का अनुरोध करते है। एक नेशन,एक पेंशन, इस एक को सभी क्षेत्रों में लागू किये जाने पुन: अनुरोध करते है। इस ज्ञापन को सौंपते समय जिला अभियंता संघ जी.एन.भगत अपने पेशंनर्स साथियों के साथ उपस्थित रहे।

छात्रवृत्ति स्वीकृति में लापरवाही पर सात प्राचार्यों की वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश

छिन्दवाड़ा। संभागायुक्त जबलपुर द्वारा जिले के सात संकुल प्राचार्यों की एक-एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोक दी गई है। यह कार्रवाई अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति स्वीकृति में लापरवाही बरतने पर की गई है। दरअसल, शासकीय और अशासकीय स्कूलों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति एमपी टास पोर्टल से स्वीकृत करने के निर्देश पहले ही दिए गए थे, लेकिन जिले के कुछ प्राचार्य इस कार्य में रुचि नहीं ले रहे थे। जांच में पाया गया कि सत्र 2022-23 में इनकी स्वीकृति दर 70 प्रतिशत से कम तथा सत्र 2023-24 में 60 प्रतिशत से कम रही। इस संबंध में कलेक्टर छिंदवाड़ा द्वारा पहले इन्हें नोटिस जारी किया गया था, परंतु उनके जवाब संतोषजनक नहीं पाए गए। इसके बाद कलेक्टर द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव संभागायुक्त जबलपुर को भेजा गया, जिस पर सहमति देते हुए संभागायुक्त ने संबंधित प्राचार्यों की वेतनवृद्धि रोकने का आदेश जारी किया। जिन अधिकारियों के विरुद्ध यह कार्रवाई हुई है, उनमें चंद्रशेखर दीक्षित, प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय जुन्नारदेव; भगवानदास उइके, प्रभारी प्राचार्य बिसापुरकला अमरवाड़ा; बी.के. सनेर, प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय तामिया; मनोज श्रीवास्तव, प्राचार्य बाम्हनवाड़ा जुन्नारदेव; राजेशसिंह कुशवाह, प्रभारी प्राचार्य चांवलपानी तामिया तथा बापूसंग शीलू, प्राचार्य सिंगोडी अमरवाड़ा शामिल हैं। यह जानकारी अतिरिक्त कलेक्टर छिंदवाड़ा द्वारा दी गई है।

थोपे गए टैक्स के विरोध में नागरिक कर रहे हस्ताक्षर

छिन्दवाड़ा। भाजपा की सरकार चौतरफा टैक्स वसूली में जुटी है। करों में भारी वृद्धि कर जनता की खून, पसीने की कमाई टैक्स के नाम पर लूटी जा रही। भाजपा के द्वारा जनता पर थोपे गए कर के विरोध में शहर कांग्रेस व कांग्रेस पार्षद दल का महा हस्ताक्षर अभियान निरंतर शहर के विभिन्न वार्डों में जारी है।जनता का समर्थन जुटाने नगर में चलाए जा रहे महा हस्ताक्षर अभियान के जारी क्रम में आज कांग्रेस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने जनता पर थोपे गए संपत्ति कर, जल कर, स्वच्छता कर सहित भाजपा के जनविरोधी मुद्दे को लेकर हस्ताक्षर अभियान नगर के वार्ड क्रमांक 32 एवं 25 बरारीपुरा में चलाया गया। क्षेत्र की जागरूक जनता ने घरों से निकलकर महा हस्ताक्षर अभियान का खुलकर समर्थन किया साथ ही हस्ताक्षर कर भाजपा सरकार के द्वारा लगाए गए टैक्स की खिलाफत भी की।

युवाओं को संस्कृति से जोड़ने का माध्यम बन रही भागवत: सांसद

छिंदवाड़ा। युवा पीढी को धर्म और संस्कृति से जोडे रखने का माध्यम भागवत बन रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हिंदुत्व मजबूत हुआ है, पांच सौ सालों के इंतजार के बाद अयोध्या में राम मंदिर बना, काशी में भोलेनाथ का मंदिर बना, यह बात मंगलीबाजार वार्ड क्रमांक 21 में आयोजित भागवत कथा में पहुँचे सांसद बंटी विवेक साहू ने श्रध्दालुओं के बीच कही।

किसानों एवं डूब प्रभावित गांवों के लिए मुख्यमंत्री से मिले सांसद

● प्रभावित क्षेत्र के लिए मांगा स्पेशल पैकेज ● सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना के निर्माण में तेजी आए

छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट से मुलाकात करते हुए छिन्दवाडा सिंचाई काम्पलेक्स परियोजना के निर्माण कार्य की प्रगति के लिये स्पेशल पैकेज की मांग एवं मोहगांव जलाशय के अंतर्गत किसानों को हो रही परेशानियों एवं उनकी मांगों को लेकर चर्चा की।

सांसद श्री साहू ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट से मुलाकात के दौरान उन्हें बताया कि संसदीय क्षेत्र छिंदवाड़ा-पांढुर्णा के अंतर्गत बहुउद्देशीय परियोजना छिंदवाड़ा सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना की स्वीकृति प्राप्त है। इस योजना की जल भराव क्षमता 651.33 मि.घ.मी. है, जिससे छिंदवाड़ा, जुन्नारदेव, मोहखेड़, बिछुआ, चौरई, उमरेठ, सौंसर एवं पांढुर्णा विकासखण्डों की 190500 हेक्टेयर सिंचाई प्रस्तावित है। इस परियोजना से सिंचाई के अतिरिक्त समीपवर्ती क्षेत्रों के पीने के पानी की समस्या हेतु पेयजल, औद्योगिक उपयोग एवं विद्युत उत्पादन हेतु जल सुरक्षित रखने का प्रावधान है। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं जल संसाधन मंत्री को बताया कि इस योजना में कुछ बाधाएं आ रही है, जिसे शासन स्तर पर हल किया जा सकता है। जिसके अंतर्गत परियोजना में पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन प्रस्तावित है जिसके लिए स्पेशल पैकेज की स्वीकृति शासन स्तर से लंबित है। परियोजना से वन भूमि प्रभावित हो रही है जिसके लिए छिंदवाडा एवं पांढुर्णा जिले के अलावा अन्य जिलों से भी गैर वन भूमि की आवश्यकता पड़ेगी। वन विभाग छिन्दवाडा की भूमि के बदले अन्य जिलों की भूमि को वनों के लिये आवंटित किया जाना प्रस्तावित है।

सांसद श्री साहू ने मुख्यमंत्री एवं जल संसाधन मंत्री से मांग की है कि इस बहुउद्देशीय योजना के लिए विशेष भू-अर्जन एवं पुनर्वास अनुदान पैकेज की स्वीकृति मध्यप्रदेश शासन से प्रदान करने तथा अन्य जिलों से गैर वनभूमि उपलब्ध कराने हेतु प्रदेश के अन्य जिलों के जिलाध्यक्षों को निर्देशित करने का कष्ट करें जिससे की उक्त भूमि प्राप्त होने पर वन प्रकरण की स्वीकृति हो सके।

मोहगांव जलाशय के मुद्दों पर की चर्चा

सांसद श्री साहू ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट से मुलाकात के दौरान बताया कि पांढुर्णा जिले के अंतर्गत मोहगांव जलाशय के क्षेत्र में आ रहे किसानों को भी कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसे लेकर पिछले दिनों किसानों ने उनसे मुलाकात की थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि कुछ किसानों की संपत्ति का अवार्ड एवं मुआवजा प्रकरण तैयार नहीं किए गये है। 109 किसानों द्वारा आवेदन दिए गये है जिसका निराकरण लंबित है। भूखंड आवंटन के बदले नकद राशि लेने वाले किसानों को 50 हजार की राशि मिलना बाकी है। 65 किसानों के प्रकरण सौंसर न्यायालय में विचाराधीन है।

सिवनी जिले को पानी दिया ठीक किया पर यह परंपरा कतई न बने

जलसंसाधन विभाग की लापरवाही का खामियाजा जनता को न भुगतना पड़े माचागोरा से पानी छोड़ने पर कांग्रेस ने सांसद को घेरा

छिन्दवाड़ा। राजीव कांग्रेस भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सिवनी जल संसाधन विभाग की लापरवाही का खामियाजा जनता को भुगतना ना पड़े। संजय सरोवर (भीमगढ़ जलाशय) में पानी की कमी बताकर चौरई के माचागोरा जलाशय से 35 एमसीएम पानी सिवनी जिले के भीमगढ़ जलाशय के लिए छोड़ा जा रहा है। पेयजल हेतु सिवनी जिले को पानी दिया ठीक बात, किन्तु यह परम्परा ना बनें। स्थानीय स्तर पर ही पेयजल के स्थाई स्रोत खोजे जाएं इस पर भाजपा के जनप्रतिनिधियों को ध्यान देना चाहिए। आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए चौरई विधायक सुजीत चौधरी ने कहा कि बालाघाट संसदीय क्षेत्र के भाजपा सांसद व अन्य भाजपा जनप्रतिनिधियों के दबाव में आकर सिवनी जल संसाधन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने सिंचाई के लिए बालाघाट को अत्याधिक पानी की सप्लाई दी। ग्रीष्मकाल में पेयजल हेतु पानी का संग्रहण नहीं रखा। परिणाम स्वरूप सिवनी की जनता को पेयजल के लिए भटकना व परेशान होना पड़ रहा है। जनता के लिए पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है इसका विरोध नहीं है, किन्तु यह परम्परा न बनें क्योंकि भविष्य में माचागोरा जलाशय से छिन्दवाड़ा जिले के 711 गांव में पेयजल की आपूर्ति की जानी है साथ ही एक निश्चित मात्रा का पानी संकटकाल के लिए रखा जाता है वह भी माचागोरा जलाशय में शेष रहना चाहिए, भाजपा सांसद से यह अपेक्षा है कि उन्होंने जिस गति से सिवनी जिले को पानी देने के लिए वॉल्व खोला उसी गति से इन परियोजनाओं को भी पूरा करें।

छिन्दवाड़ा की जमीन गई, किसान परेशान

आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गंगाप्रसाद तिवारी ने कहा कि सिवनी जिले में पेयजल संकट का हवाला देकर माचागोरा से पानी छोड़ा गया। पीने के लिए पानी दिया इसका कोई विरोध नहीं है, किन्तु ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हुई इस पर वहां के भाजपा नेताओं व भाजपा सरकार को मंथन करना चाहिए।

ब्लॉक कांग्रेस की चेतावनी

चौरई विधानसभा प्रभारी अशोक तिवारी, विधायक सुजीत चौधरी व चौरई ब्लॉक अध्यक्ष तीरथ ठाकुर ने चेतावनी दी है कि पेंच परियोजना की सम्पूर्ण माइक्रो एरिगेशन परियोजनाएं अविलम्ब प्रारंभ नहीं हुई तो चौरई ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उग्र आंदोलन करेगी जिसकी जिम्मेदार भाजपा की सरकार व शासन प्रशासन होगा। आयोजित पत्रकार वार्ता में मनीष पाण्डेय, पप्पू यादव प्रवक्ता नितिन उपाध्याय उपस्थित थे।

विश्व पृथ्वी दिवस पर....

स्कूली बच्चों ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा, चित्रकला और क्विज के जरिए दिया जागरूकता का संदेश

छिन्दवाड़ा। जिले के कैलाश नगर स्थित पीएम श्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिन्दवाड़ा में आज 22 अप्रैल 2025 को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर वन विभाग द्वारा विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्रीमान वन संरक्षक महोदय श्री मधु व्ही राज सर के निर्देशानुसार, वनमण्डलाधिकारी पूर्व छिंदवाड़ा श्री एल.के.वासनिक के मार्गदर्शन में एवं जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस.बघेल के समन्वय से आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपवनमंडलाधिकारी भारत सोलंकी, विद्यालय की प्राचार्य मनीषा मिश्रा, समस्त शिक्षकगण तथा वन परिक्षेत्र छिंदवाड़ा के स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता, भाषण तथा कविता पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को पृथ्वी दिवस मनाने के उद्देश्यों, इसके इतिहास, पर्यावरण संरक्षण के उपायों तथा उन गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई जो पृथ्वी को नुकसान पहुंचाती हैं। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया।

पृथ्वी दिवस पर पौधे का रोपण किया

जिले अंतरराष्ट्रीय विश्व पृथ्वी दिवस पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय, माधव स्मृति न्यास छिंदवाड़ा में शमी के पौधे का रोपण किया गया इस अवसर पर जिला स्वयंसेवक संघ विभाग के प्रमुख लखन एवं महाकौशल प्रांत संयोजक रामकृष्ण के द्वारा जिला संघ कार्यालय में शमी के पौधे का रोपण किया। अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस के उपलक्ष में छिन्दवाड़ा नगर निगम रामडोह नाला सोनपुर, बोरिया (रामढोह नाला) उत्थान हेतु जल संरक्षण करने के लिए चलाया गया नाले के सौंदरीकरण हेतु जनसंपर्क अभियान जिसमें पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के प्रांत संयोजक विभाग संयोजक जिला सहसंयोजक सहित पर्यावरण के लिए काम करने वाले कार्यकर्ता दिगंबर, वृक्ष मित्र रविंद्र सिंह, जैव विविधता दूत मोहन एवं गायत्री परिवार के सदस्य उपस्थित रहे ।

गुजरात के सीमावर्ती 3 जिलों में शराब का ठेका 400 करोड़ के क्यों?

आदिवासी क्षेत्रों में महुआ छोड़कर सभी शराब बंद हो

भोपाल। प्रदेश में एक बार फिर शराब पर सियासत शुरू हो गई। कांग्रेस ने प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में महुआ छोड़कर हर तरह की शराब को बंद करने की मांग की। आरोप है कि सरकार ने आदिवासी इलाकों को शराब का गढ़ बना दिया। जिससे प्रदेश में आने वाली पीढियां खराब हो रही है। आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व विधायक डॉ विक्रांत भूरिया ने बताया कि आदिवासी क्षेत्रों में डी-3 मुहिम चल रही है, जिसका मतलब है दहेज, दारू और डीजे के खिलाफ अभियान। इसके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि धार कलेक्टर का लेटर है कि नकली होलोग्राम से शराब का कारोबार हो रहा है। जब शराब पकड़ी जाती है, तो कार्रवाई ड्राइवर पर होती है। ठेकेदारों, मालिक पर एक्शन नहीं होता। उन्होंने कहा कि यह धार्मिक स्थलों पर शराबंदी की बात करते हैं, पर आदिवासी क्षेत्रों को शराब का अड्डा बना दिया गया। उन्होंने मध्यप्रदेश में शराबबंदी की मांग की है। विक्रांत ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में महुआ की शराब को छोड़कर हर तरह की शराब बंद हो। क्योंकि, महुआ शराब पूजा पाठ में उपयोग होती है। उन्होंने आगे कहा कि झाबुआ-अलीराजपुर में शराब का ठेका 400 करोड़ का है। गरीब जिले में इतना मंहगा ठेका कैसे हो रहा है? अगर इतना महंगा ठेका हो रहा है तो हर आदमी क्या एक लाख की शराब पी रहा है! मध्यप्रदेश में हालत लगातार बिगड़ रहे हैं, गरीब पिस रहा है। शराब की खेप गुजरात तक जा रही है, जो ड्राय स्टेट है। प्रदेश सरकार जनता, आदिवासियों का शोषण करने वालों के साथ है। जोबट में एक करोड़ की शराब पकड़ी गई है।

विक्रांत भूरिया ने कहा कि धार कलेक्टर का लेटर है, जिसमें उन्होंने खुद ये बात लिखी कि नकली होलोग्राम से शराब का कारोबार हो रहा है। जब अवैध शराब पकड़ी जाती है तो परिवहन करने वाले वाहन के ड्राइवर पर कार्रवाई होती है। लेकिन, ठेकेदारों और उस शराब के असली मालिक पर एक्शन नहीं होता। शराब की खेप गुजरात तक जा रही है जो ड्राय स्टेट है। यानी गुजरात में शराब बंदी लागू है, लेकिन शराब की अवैध सप्लाई मप्र से जा रही है। सरकार आदिवासियों का शोषण करने वालों का साथ दे रही है।

जनसुनवाई में नोटों के बंडल और पत्नी के गहने सूटकेस में भरकर पहुंचा रिटायर्ड फौजी

रीवा। मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में उस समय हंगामा हो गया, जब एक रिटायर्ड फौजी सूटकेस में पत्नी के गहने और लाखों रुपए कैश लेकर पहुंचा गया। यह रिटायर्ड फौजी अपनी फरियाद लेकर अनोखे अंदाज मे प्रदर्शन करते हुए कलक्ट्रेट कार्यालय पहुंचा, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। उसके हाथों मे नारियल और फूल थे, जबकि गले में रिश्वत के बजट वाला सूटकेस लटका था। उसका कहना था कि वो ये रुपए और गहने अधिकारियों को रिश्वत देने के लिए लाया है। उसने आरोप लगाया है कि उसकी पुश्तैनी जमीन को अधिकारियों ने सरकारी घोषित कर दिया, जबकि जमीन के सारे कागजात उसके पास मौजूद हैं। पीड़ित फौजी का आरोप था कि उसकी पुश्तैनी जमीन पर गांव के दबंगो ने किसानी नहीं करने दी और बाद में अधिकारियों ने उसकी इस जमीन को शासकीय बना दिया। फरियाद करने गया तो शासकीय अधिकारी बिना रिश्वत के सुनवाई नहीं करते। इस कारण उसे रिश्वत का सूटकेस लेकर उसे कलेक्टर कार्यालय आना पड़ा।

योगेश कुमार तिवारी जिले की त्योंथर तहसील क्षेत्र के मलपार गांव के निवासी हैं। उन्होंने भारतीय सेना में रहकर 21 साल 4 महीने देश की सेवा की। बीते 1 साल पहले ही वे रिटायर हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले की वे कई बार शिकायत कर चुके है। लेकिन त्योंथर तहसील में बैठे अधिकारी और कर्मचारी उससे हमेशा रिश्वत की मांग करते हैं। लगातार रिश्वत की मांग से तंग आकर वह

अपने पत्नी के गहने और कैश लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचा है। वह अधिकारियों से मांग कर रहा है कि उससे रिश्वत ले लें, लेकिन उसकी जमीन वापस दिला दें। वे पिछले साल ही रिटायर्ड हुए है, पर 10 साल से वे अपनी ही पुश्तैनी जमीन के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। पहले तो गांव के दबंगो ने उन्हें अपनी ज़मीन पर खेती नहीं करने दी और अब उनकी पुश्तैनी जमीन को शासकीय बना दिया गया। इसकी शिकायत तहसील स्तर से लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय तक कई बार की गई मगर अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई।

सेना से रिटायर फौजी का आरोप है कि गांव के ही दबंग विद्याधर शुक्ला अपराधिक प्रवृत्ति के हैं। उन्होंने ही निजी फायदे के लिए अधिकरियों से सांठगांठ की, जिसके बाद उनकी पुश्तैनी जमीन को शासकीय बना दी गई। कई बार अधिकारियों से शिकायत की, मगर कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित की कलेक्टर से मांग है कि त्योंथर तहसील के अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारियों की टीम गठित कर मामले की जांच कराई जाए और जमीन की नपती करवाकर मामले का निपटारा कराया जाए। युवक के इस कदम से कलेक्ट्रेट में हड़कंप मच गया। रीवा के कलेक्ट्रेट भवन में उसे देखकर हड़कंप मच गया। उसका कहना था कि वह कलेक्टर से मिलने से आया है। उस समय कार्यालय में कलेक्टर के मौजूद न होने की वजह से वह उनसे नहीं मिल सका। दूसरी ओर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने इस मामले को लेकर कहा कि उनकी जो भी शिकायत है, उसकी सुनवाई करने के बाद ही कोई एक्शन लिया जाएगा। अगर उनको कोई आपत्ति है, तो वे आगे कार्रवाई के लिए आवेदन दे सकते हैं।

चीफ ऑफ द आर्मी स्टाफ ने सौसर के प्रदीप कलसकर को किया सम्मानित

छिंदवाड़ा। वेटेरन प्रदीप कलसकर द्वारा राष्ट्र प्रथम के साथ साथ सामाजिक क्षेत्र में लगातार अपने सेवाकार्य को निरन्तर सार्थकता कर्तव्य निष्ठा से निर्वाह करते हुए अपने ज़िले के सैनिकों, पूर्व सैनिकों के लिए उत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया गया, पूर्व सैनिकों की विधवाओं और जरूरतमंद जनता के लिए हमेशा सकारात्मक रूप से कार्य करने के लिए मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 21 कोर हैडक्वाटर में आयोजन में प्रदेश के चुनिंदा 5 पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया था। इसमें हमारे सौसर के प्रदीप कलसकर का नाम था, यह हमारे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है, इनके अच्छे कामों के लिए इन्हें *वेटरन अचीवर्स अवार्ड* से सम्मानित किया गया।

26/11 शहीद कांस्टेबल अंबादास पवार की पत्नी कल्पना पवार बनीं डिप्टी एसपी

मुंबइ। महाराष्ट्र सरकार ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों में शहीद हुए पुलिस कांस्टेबल अंबादास पवार की पत्नी कल्पना पवार को प्रोबेशनरी डिप्टी एसपी (उप पुलिस अधीक्षक) के पद पर नियुक्त किया है। यह महत्वपूर्ण निर्णय मंगलवार को लिया गया, और नियुक्ति का आदेश स्वयं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जारी किया। इस नियुक्ति के लिए कल्पना पवार ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह आम लोगों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य करेंगी। कल्पना पवार ने अपनी नियुक्ति पर भावुक होते हुए कहा,मेरे पति की तरह मुझे भी अब लोगों की सेवा करने का अवसर मिला है। मेरी नियुक्ति यह साबित करती है कि यह सरकार किसानों, मजदूरों, महिलाओं और देश के लिए बलिदान देने वालों की है।

सिंहस्थ के लिए इंदौर में बनेंगे विशाल होल्डिंग जोन, एक ही स्थान पर रुक सकेंगे 50 हजार श्रद्धालु

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 के दौरान उज्जैन में संभावित भीड़ को देखते हुए इंदौर में होल्डिंग जोन बनाने की तैयारी तेज हो गई है। यहां हजारों श्रद्धालुओं के ठहरने, सुरक्षा और ट्रैफिक नियंत्रण के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। कई प्रस्तावों को प्रशासनिक मंजूरी मिल चुकी है और कार्य जल्द शुरू होगा। सिंहस्थ 2028 को लेकर उज्जैन में अनुमानित भीड़ को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। खासकर इंदौर में ÷होल्डिंग जोन÷ बनाए जाने की योजना पर तेजी से काम हो रहा है। उद्देश्य है कि जब उज्जैन में भीड़ अपनी सीमा पार कर जाए, तो श्रद्धालुओं को इंदौर में ही रोककर ठहराया जा सके। प्रशासन ने इंदौर के विभिन्न इलाकों में ऐसे स्थान चिन्हित किए हैं, जहां 50 हजार से ज्यादा लोगों को एक-दो दिन तक ठहराया जा

सके। लवकुश चौराहा, रिंग रोड पर रोबोट चौराहा, मांगलिया और तेजाजी नगर जैसे क्षेत्रों में जमीन की मांग की गई है। इन होल्डिंग एरिया में विश्राम स्थल, बैठने के लिए कुर्सियां, पेयजल, पंखे, कूलर, शौचालय आदि सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

सुरक्षा और ट्रैफिक के लिए विशेष व्यवस्था- पुलिस विभाग ने सुरक्षा और यातायात नियंत्रण के लिए व्यापक योजना प्रस्तुत की है। इसमें सात हाई-वे चौकियां, रिंग रोड व बायपास पर ट्रैफिक सहायता केंद्र, और एक इंट्रीगेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना का प्रस्ताव शामिल है। यह सेंटर लवकुश चौराहा के पास करीब 7 एकड़ जमीन पर स्थापित किया जाएगा, जहां से पुलिस, प्रशासन और नगर निगम मिलकर निगरानी करेंगे।

सांवेर रोड आएगा सीसीटीवी की निगरानी में

पूरे सांवेर रोड को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में लाने की योजना है। वहीं, महालक्ष्मी नगर, सुपर कॉरिडोर और धार रोड पर अस्थाई थानों की स्थापना की मांग रखी गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्यवाही की जा सके। सिंहस्थ के दौरान भीड़ नियंत्रण के लिए करीब 2 हजार अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की आवश्यकता जताई गई है। इसके साथ ही 20 जीप, 20 बसें और ट्रकों की भी मांग की गई है, जिससे बल और जरूरी सामग्री को सुगमता से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाया जा सके। रास्ते में खराब हुए वाहनों को हटाने के लिए 5 बड़ी क्रेनों की व्यवस्था भी प्रस्तावित है।

बैठकों में मिल रही स्वीकृति

उज्जैन में हुई प्रशासनिक बैठकों में कई प्रस्तावों को सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। इंदौर के एडिशनल कमिश्नर मनोज श्रीवास्तव के अनुसार, जमीन चिन्हित करने की प्रक्रिया जारी है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

सोशल मीडिया से

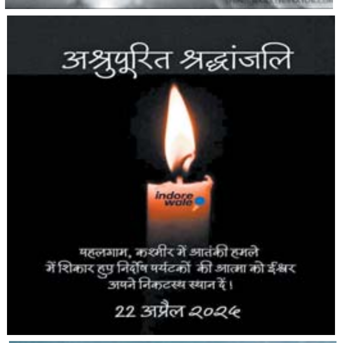

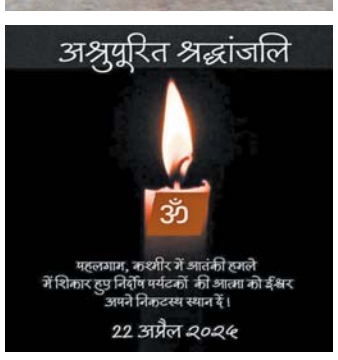

The cruel and dastardly attack on innocent tourists must be avenged. I feel as ex-CRPF man of Kashmir

- एनके त्रिपाठी, पूर्व डीजीपी

सऊदी अरब से वापसी के दौरान पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र से नहीं गुजरा प्रधानमंत्री मोदी का प्लेन

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए भीषण आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा बीच में ही रद्द कर दी। हमले की सूचना मिलते ही पीएम ने तत्काल भारत वापसी का फैसला किया। सुरक्षा कारणों से उनके विमान का मार्ग बदल दिया गया, जो पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र से होकर नहीं गुजरा। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट के अनुसार, पीएम का बोइंग 777-300 विमान सऊदी अरब जाते समय पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र से होकर गुजरा था, लेकिन वापसी में अरब सागर के ऊपर से भारतीय

प्रायद्वीप होते हुए गुजरात के रास्ते दिल्ली पहुंचा।

मंगलवार सुबह पहलगाम की बायसरन घाटी में आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई। मृतकों में ज्यादातर पर्यटक थे, जिनमें दो विदेशी और दो स्थानीय नागरिक शामिल हैं। सेना की वर्दी में आए आतंकियों ने पहले पर्यटकों का धर्म पूछा, परिचय पत्र देखे और फिर हिंदुओं को निशाना बनाया। इस जघन्य कृत्य ने पूरे देश को झकझोर दिया।÷

पीएम मोदी ने सऊदी अरब में क्राउन प्रिंस के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद रात्रि भोज में हिस्सा नहीं लिया और आधी रात को भारत के लिए रवाना हुए। दिल्ली के पालम हवाई अड्डे पर उतरने के बाद उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ आपात बैठक की। इससे पहले, उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बात कर कश्मीर में तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी ने हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने लिखा, ÷मैं पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा करता हूं।

पीएम मोदी का कानपुर दौरा रद्द, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सेना प्रमुखों के साथ बैठक

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले ने पूरे देश को हिला दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना सऊदी दौरा बीच में छोड़कर भारत पर लौट आए हैं और अपना 24 अप्रैल का कानपुर दौरा भी रद्द कर दिया है। इस हमले के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक हुई है. जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में 3 सैन्य चीफ ने अपनी तयारियों को लेकर रक्षा मंत्री जानकारी दी है। खबर है कि भारत इस हमले की जवाब की तैयारी कर रहा और 2019 जैसे एयर स्ट्राइक एक बार फिर हो सकती है।

आज कश्मीर बंद का आह्वान– पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (क्षछक्र) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने आतंकवादी हमले के विरोध में आज पूर्ण कश्मीर बंद का आह्वान किया है। महबूबा मुफ्ती ने अपनी पोस्ट में कहा, %चैंबर एंड बार एसोसिएशन जम्मू ने पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के विरोध में बुधवार को पूर्ण बंद का आह्वान किया है। मैं सभी कश्मीरियों से अपील करती हूं कि वे पहलगाम में हुए हमले में मारे गए निर्दोष लोगों के सम्मान में इस बंद का समर्थन करने के लिए एकजुट हों।

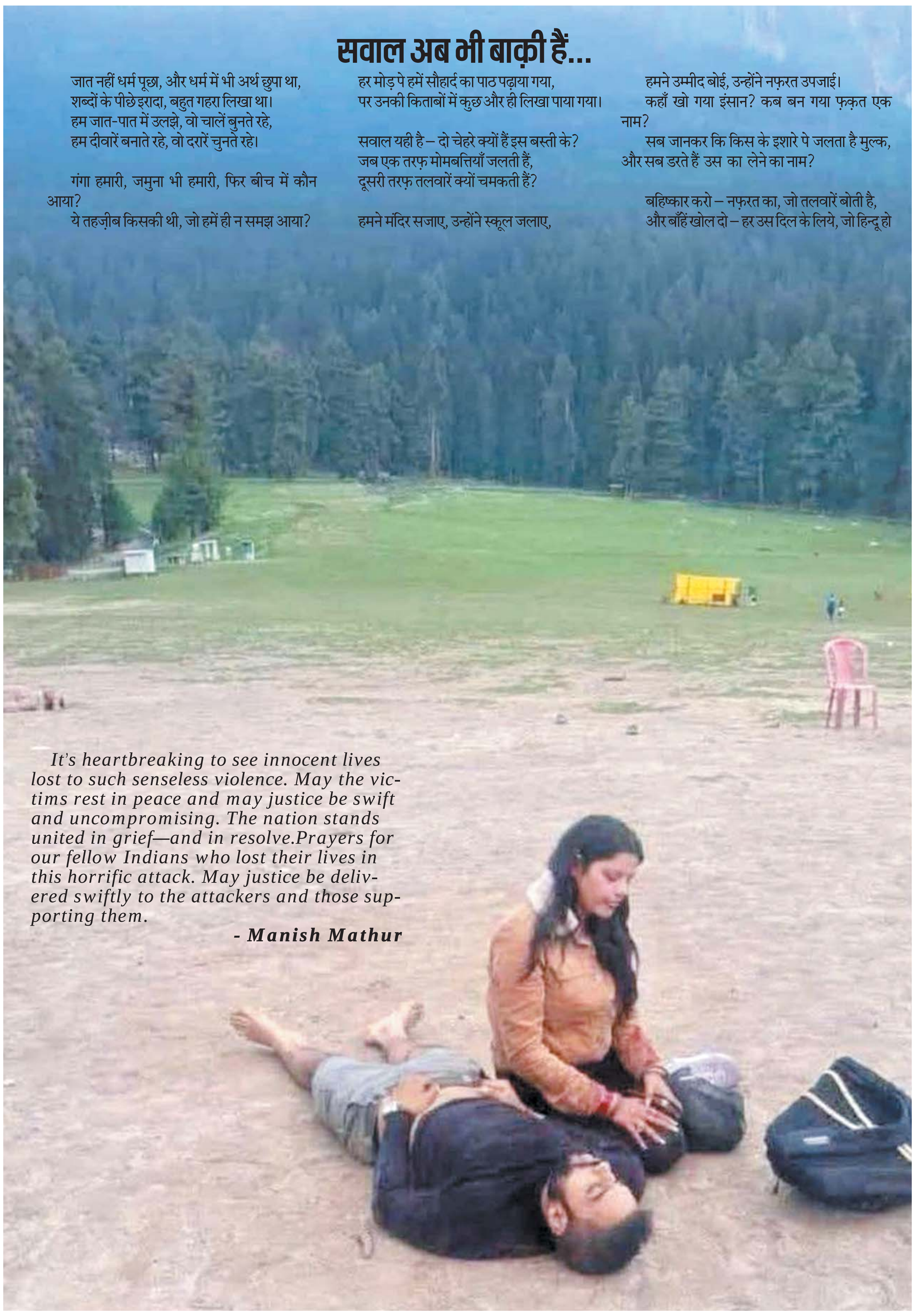

सवाल अब भी बाक़ी हैं...

जात नहीं धर्म पूछा, और धर्म में भी अर्थ छुपा था,
शब्दों के पीछे इरादा, बहुत गहरा लिखा था।
हम जात-पात में उलझे, वो चालें बुनते रहे,
हम दीवारें बनाते रहे, वो दरारें चुनते रहे।

गंगा हमारी, जमुना भी हमारी, फिर बीच में कौन आया?
ये तहज़ीब किसकी थी, जो हमें ही न समझ आया?

हर मोड़ पे हमें सौहार्द का पाठ पढ़ाया गया,
पर उनकी किताबों में कुछ और ही लिखा पाया गया।

सवाल यही है – दो चेहरे क्यों हैं इस बस्ती के?
जब एक तरफ़ मोमबत्तियाँ जलती हैं,
दूसरी तरफ़ तलवारें क्यों चमकती हैं?

हमने मंदिर सजाए, उन्होंने स्कूल जलाए,
हमने उम्मीद बोई, उन्होंने नफ़रत उपजाई।
कहाँ खो गया इंसान? कब बन गया फ़क़त एक नाम?
सब जानकर कि किस के इशारे पे जलता है मुल्क,
और सब डरते हैं उस का लेने का नाम?

बहिष्कार करो – नफ़रत का, जो तलवारें बोती है,
और बाँहें खोल दो – हर उस दिल के लिये, जो हिन्दू हो

It's heartbreaking to see innocent lives lost to such senseless violence. May the victims rest in peace and may justice be swift and uncompromising. The nation stands united in grief—and in resolve.Prayers for our fellow Indians who lost their lives in this horrific attack. May justice be delivered swiftly to the attackers and those supporting them.

- Manish Mathur

घाटी में आतंकवाद के कारक बने हैं जो
बच्चों के मुस्कानों के संहारक बने हुए हैं जो

दुनिया को एहसास कराओ हम निर्णय ले सकते हैं
हम भी ईंटों का उत्तर अब पत्थर से दे सकते हैं

दिल्ली वालों ठोंकर मारो दुनिया के हथकंडों पर
इजराइल से जीना सीखो अपने ही भुजदंडों पर...
============

तुम भी किसी दिन गोली से मार दिए जाओगे

उसने कहा क्या धर्म है तुम्हारा ?
मैंने राम राम कहा और गोली चल गई।
मैं मर गया हूं, मगर इसका मतलब ये नहीं
कि तुम बच जाओगे !
क्योंकि ये आतंक था या मजहबी नफरत का गुबार अभी पहचाना नहीं गया है !
अगर यूं ही गोली चलेगी, तो बेवजह बेमौत निपट जाओगे।

ये आतंक की उसी शक्ल में आया है,
जिसने पहले अब्दुल्ला को भी रुलाया है।
कल कोई यूं ही आया फिर इसी भेष में,
तो तुम अपना धर्म मत बताना,
वरना मार दिए जाओगे, जी हां मार दिए जाओगे।
इस बहकावे में मत रहना कि अल्लाह हू अकबर
कहकर बच जाओगे।

आतंकी का धर्म बताकर भी गोली से दाग दिए जाओगे।
अभी ये कुछ भी तय नहीं कि देश के किस कोने में
कब भून दिए जाओगे ?
यही नया भारत है शायद कि नफरत की गोली से देश के
किसी भी कोने में छलनी कर दिए जाओगे।
मुझे गर कोई अपने ही देश में धर्म पूछकर गोली मार दे,
तो कैसे कहूंगा भारत माता की जय ?
आतंक के जलजले में मुंह से वंदे मातरम कैसे निकलेगा ?
मरती मानवता के बीच अगर कुछ कम हो सके ये नफरत,
कोई तो गोली इसके लिए भी होगी उसे कब चलाओगे ?
जो आतंक की जड़ें काट दे, वो दोधारी तलवार कहां से लाओगे ?
मैं जानना चाहता हूं कि तुम इस आतंक के खात्मे के लिए
हथियार कब उठाओगे?

- दीपक गौतम

======================

आज का रंग गाइड के संग

जम्मू कश्मीर-पहलगाम में नरसंहार, 27 की हत्या
आंखें खोलने वाला थ्रेड
इस्लामिक आतंकी आए और उन्होंने नाम पूछना शुरू किया
- आतंकियों ने जाति नहीं पूछी
- आतंकियों ने भाषा नहीं पूछी
- आतंकियों ने राज्य नहीं पूछा

आतंकियों ने नाम पूछा और धर्म के आधार पर 27 लोगों की हत्या कर दी

- इस्लामिक आतंकियों ने नहीं पूछा कि तुम ठाकुर हो, पंडित हो, बनिया हो, यादव हो, जाटव हो, पासी हो या वाल्मीकि हो

- इस्लामिक आतंकियों ने नहीं पूछा कि तुम मनुवादी हो, तुम सवर्ण हो, तुम क्क्ष्ठ वाले हो, तुम दलित हो, पिछड़े हो या आदिवासी हो

आतंकियों ने नाम पूछा और धर्म के आधार पर 27 लोगों की हत्या कर दी

- आतंकियों ने नहीं पूछा कि तुम हिंदी बोलते हो, मराठी बोलते हो, तमिल, तेगलू, मलयाली, कन्नड़, असमिया, बंगाली, उड़िया या भोजपुरी बोलते हो

आतंकियों ने सिर्फ नाम पूछा और धर्म के कारण हिंदुओं/ग़ैर मुस्लिमों और पीड़ितों की मदद करने वालों को गोलियों से भून दिया

- आतंकियों ने नहीं पूछा कि तुम भाजपाई हो, कांग्रेसी हो, सपाई, बसपाई, आपिए हो, ऋद्मष्ठ और छ्वष्ठ वाले हो, क्क्ञ्ज या ह्लष्टक्कवाले हो, ष्ठरूय्य, ढ्ढष्ठरूय्य, ञ्जष्ठक्क ड्डस्त्रष्टक्क क्ष्ठ्ठ या अन्य किसी दल के हो

आतंकियों ने नाम पूछा और धर्म के आधार पर 27 लोगों की हत्या कर दी

आतंकियों ने सिर्फ नाम पूछा और धर्म के कारण हिंदुओं/ग़ैर मुस्लिमों और पीड़ितों की मदद करने वालों को गोलियों से भून दिया

नाम में अगर कुछ कन्फ्यूजन रहा तो आतंकियों ने पेंट उतारकर चेक किया कि खतना हुआ है या नहीं और बिना खतना वालों को गोलियों से भून दिया

जिस पहलगाम में थोड़ी देर पहले तक रौनक थी, लोग मस्ती कर रहे थे, अचानक से उस पहलगाम में बंदूकों की गलियों की तड़तड़ाहट सुनाई देने लगी, चुन-चुन कर मारे जा रहे हिंदुओं की चीकहन सुनाई देने लगी

देखते ही देखते 27 लोगों को मार दिया गया

इनका अपराध ये था कि ये हिंदू थे या हिंदुओं को बचा रहे थे

इसके बाद भी हमारे नेता और बुद्धिजीवी कह रहे हैं कि आतंकवाद का धर्म नहीं होता जबकि पहलगाम में धर्म के आधार पर नरसंहार हुआ है

क्या अभी भी आपको लगता है कि आतंकवाद का धर्म नहीं होता है ?

सीरियसली ?

अगर आप अभी भी जातिवाद का खेल खेलना चाहते हो तो द्मद्धद्गद्य१, अगर आप अभी भी प्रांत और भाषावाद का खेल खेलना चाहते हो तो खेलो

लेकिन

जब अभी आपके सामने बंदूकधारी लश्कर, हूजी, जैश या अन्य इस्लामिक आतंकी होंगे, तब आप सिर्फ और सिर्फ हिंदू होंगे और आपके शरीर को लाश में बदल दिया जाएगा

फिर चाहे आपकी पत्नी विधवा हो, आपका बेटा अनाथ हो, आपकी बहन अकेली रह जाए या आपके माता-पिता बिन बेटे के हो जाएं

इसलिए कह रहा हूं कि जातिवाद छोड़ो और हिंदू बनो, सनातन धर्मी बनो क्योंकि

अगर धर्म बचेगा, तभी तुम बचोगे और तुम्हारी जाति, प्रांत और भाषा बचेगी

'जहां धर्म है, वहीं विजय है'

पहलगाम इस्लामिक आतंकी हमले में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति की ईश्वर से प्रार्थना करता हूं और जीवित सेक्युलर हिंदुओं की सद्बुद्धि की भी प्रार्थना करता हूं कि वो अपने धर्म को पहचानें

- वन्दे वेद मातरम

खुशी के पाल मातम में बदले

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी फरवरी में ही इनकी शादी हुई थी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से बुधवार को मंत्रालय में लेफ्टिनेंट जनरल पीएस शेखावत ने सौजन्य भेंट की।

पहलगाम के आतंकी हमले के खिलाफ भोपाल भर दोपहरी में सड़क पर आया

पाकिस्तान के विरुद्ध आवाज बुलंद कर पूतला फूंका

भोपाल। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में 27 पर्यटकों की मौत होने के बाद देशभर में आतंकवादियों की इस कायराना हरकत की निंदा हो रही है। इस घटना के विरोध में भोपाल में जगह-जगह प्रदर्शन किया जा रहा है। लोग हमले के विरोध में भर दोपहरी में सड़क पर आ गए और पाकिस्तान को निशाने पर लिया। जय हिंद

सेना ने भारत माता चौराहे पर प्रदर्शन कर पाकिस्तान का पुतला फूंका, तो मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के कार्यालय के बाहर वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनोवर पटेल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला जलाया। पुतला दहन के दौरान मुस्लिम समाज के लोगों ने आतंकवाद और पाकिस्तान की पुतले पर थूंककर आक्रोश जताया। भोपाल के चार बत्ती चौराहे पर कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाएं और बच्चियां भी मौजूद थीं। प्रदर्शन के दौरान आतंकवाद मुर्दाबाद , मोदी जी 56 इंच का सीना दिखाना होगाके नारे लगाए गए। पक्ष-विपक्ष के नेता इस घटना की निंदा कर रहे हैं।